● वर्ष-4
● अंक-70
रायपुर, बुधवार
30 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» पैरों में रहता है दर्द तो इन घरेलू ....

कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज

आगे के लिए दे दी नसीहत

नई दिल्ली। हरियाणा चुनाव में किसी भी तरह की अनियमितता के बारे में कांग्रेस के आरोपों को चुनाव आयोग ने निराधार, गलत और तथ्यहीन बताते हुए खारिज कर दिया। आयोग ने कांग्रेस पार्टी को चुनाव दर चुनाव निराधार आरोप लगाने से बचने के लिए पत्र लिखा; पार्टी को 'सामान्य' संदेह फैलाने के लिए आड़े हाथों लिया और कांग्रेस से इस तरह की प्रवृत्ति को रोकने के लिए दृढ़ और ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। चुनाव आयोग ने कांग्रेस से आग्रह किया कि मतदान और मतगणना के दिनों जैसे संवेदनशील समय पर गैर-जिम्मेदाराना आरोप लगाने से सार्वजनिक अशांति, अशांति और अराजकता पैदा हो सकती है।

पिछले एक साल में 5 विशिष्ट मामलों का हवाला देते हुए, चुनाव आयोग ने लंबे समय से अनुभव रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी से उचित परिश्रम करने और बिना किसी सबूत के चुनावी संचालन पर आदतन हमले करने से बचने के लिए कहा। सभी 26 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा गहन पुनर्सत्यापन के बाद, ईसीआई ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को लिखा कि हरियाणा में चुनावी प्रक्रिया का प्रत्येक चरण त्रुटिहीन था और कांग्रेस उम्मीदवारों या एजेंटों की निगरानी में किया गया था। ईसीआई अधिकारियों के जवाब में 1642 पृष्ठों के साक्ष्य शामिल हैं कि कांग्रेस उम्मीदवारों के अधिकृत प्रतिनिधि सभी चरणों में मौजूद थे, जिसमें कमीशनिंग के समय बैटरी रखना और उसके बाद 7-8 दिनों तक लगातार गिनती खत्म होने तक शामिल था।

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा चुनाव में अनियमितता के बारे में कांग्रेस पार्टी की सभी शिकायतों को भी खारिज कर दिया। ईवीएम में बैटरी की स्थिति के प्रदर्शन के बारे में पूरी तरह से बाहरी बातों को खारिज करते हुए, ईसीआई ने स्पष्ट किया कि बैटरी वोल्टेज और क्षमता का ईवीएम मतगणना संचालन और अखंडता से कोई प्रासंगिकता या संबंध नहीं है। कंट्रोल यूनिट पर बैटरी की स्थिति का प्रदर्शन पूरी तरह से तकनीकी टीमों को बिजली के स्तर की निगरानी करने में सहायता करने के लिए एक सुविधा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मतदान संचालन के दौरान उपकरण सुचारू रूप से काम करता है।

आयोग ने कहा कि ऐसा कोई भी आरोप कि बैटरी का स्तर मतदान के परिणामों को प्रभावित करता है, हास्यास्पद है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली और बंगाल के बुजुर्गों से उनकी सेवा न कर पाने के लिए माफ़ी मांगी। इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान भारत योजना को लागू न करने के लिए पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार और दिल्ली की आप सरकार की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली और बंगाल के बुज़ुर्ग आयुष्मान भारत से लाभ नहीं उठा पाएंगे क्योंकि उनकी सरकारें राजनीतिक कारणों से इसे लागू नहीं कर रही हैं। प्रधानमंत्री एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहाँ उन्होंने केंद्र सरकार की प्रमुख आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाकर 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को कवर करने की बात कही।

कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि 70 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बुज़ुर्गों और पश्चिम बंगाल के 70 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बुज़ुर्गों से माफ़ी मांगता हूं कि मैं आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। मैं

दिल्ली-बंगाल के बुज़ुर्गों से मोदी ने क्यों मांगी माफी? बोले-

आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा

के लोगों को अस्पतालों में मुफ़्त इलाज मिलेगा, उन्हें आयुष्मान वय वंदना कार्ड दिया जाएगा। हालांकि, पीएम मोदी ने बंगाल और दिल्ली के लोगों से माफ़ी मांगी क्योंकि उन्हें इस योजना से बाहर रखा गया है।

पीएम ने कहा कि मैं दिल्ली के 70 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बुज़ुर्गों और पश्चिम बंगाल के 70 साल से ज़्यादा उम्र के सभी बुज़ुर्गों से माफ़ी मांगता हूं कि मैं आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। मैं उनसे माफ़ी मांगता हूं कि मैं आपकी स्थिति जानूंगा, जानकारी लूंगा लेकिन मैं आपकी मदद नहीं कर पाऊंगा और इसका कारण यह है कि दिल्ली की सरकार और पश्चिम बंगाल की सरकार इस आयुष्मान योजना से नहीं जुड़ रही है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि अपने राजनीतिक हितों के लिए अपने ही राज्य के बीमार लोगों पर अत्याचार करने की प्रवृत्ति किसी भी मानवीय दृष्टिकोण के खिलाफ है और इसलिए मैं पश्चिम बंगाल के बुजुर्गों से माफी मांगता हूं, मैं दिल्ली के बुजुर्गों से माफी मांगता हूं, मैं देश के लोगों की सेवा कर सकता हूं, लेकिन राजनीतिक पेशे की दीवारें मुझे दिल्ली और पश्चिम बंगाल के बुजुर्गों की सेवा करने से रोक रही हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रमुख कदम का अनावरण नौवें आयुर्वेद दिवस और हिंदू चिकित्सा के देवता धन्वंतरि की जयंती के अवसर पर किया गया।

नीतीश के सामने बोल नहीं पाते थे... तेजस्वी के रोजगार वाले दावे पर भड़के ललन

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने मंगलवार को राजद नेता तेजस्वी यादव के इस दावे को खारिज कर दिया कि बिहार के उपमुख्यमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हुआ। जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता ने यादव को चुनौती दी कि वे अपने माता-पिता लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के 15 साल के कार्यकाल के दौरान रोजगार सृजन के आंकड़े लेकर आएं। ललन सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संयुक्त प्रयासों की वजह से बिहार में तेजी से आर्थिक

विकास हो रहा है। इससे रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिला है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग बोलने का काम करते हैं कुछ लोग करने का तो पीएम मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रोजगार सृजन की दिशा में काम कर रहे हैं। बिहार में आपने देखा कि 2 लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति हुई। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बोलते रहते हैं वो याद नहीं करते कि उनके माता-पिता 15 साल बिहार में रहे उन्हें बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के शासनकाल में कितने युवा को रोजगार मिला?

सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने चलाया अलग-अलग ऑपरेशन, 19 नक्सलियों को किया गिरफ्तार

सुकमा। प्रदेश के सुकमा जिले में अलग-अलग अभियानों में सुरक्षा बलों ने कम से कम 19 नक्सलियों को गिरफ्तार किया, जिनमें से तीन इनामी थे। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 219वीं

और 150वीं बटालियन और कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई) की 201वीं बटालियन की संयुक्त टीमें ऑपरेशन में शामिल थीं।

एक अधिकारी के अनुसार, 14 नक्सलियों को जगरगुंडा पुलिस थाना क्षेत्र में पकड़ा गया, जबकि पांच को भेज्जी पुलिस थाना सीमा के भीतर रविवार को हिरासत में लिया गया। सुरक्षा बलों ने 14 कैडरों से तीन जिलेटिन की छड़ें, 300 ग्राम बारूद, कॉर्डेक्स तार, डेटोनेटर, बिजली के तार और बैटरी भी जब्त कीं। उन्होंने कहा कि जगरगुंडा में पकड़े गए 18 से 40 साल के बीच के 14 लोगों में से तीन पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था। इन तीनों में मिलिशिया कमांडर बरसे हड़मा (25), और बरसे नागेश (20) और हेमला जीतू (18) शामिल थे, जो सीएनएम (चेतना नाट्य मंडली, माओवादियों की एक फ्रंटल विंग) के साथ काम कर रहे थे। इसी तरह, भेज्जी से पांच कैडर पकड़े गए थे जो कथित तौर पर सितंबर में भंडारपदर में एक ग्रामीण और इस साल फरवरी में उसी गांव में बिजली ट्रांसमिशन लाइन बिछाने में लगे एक इलेक्ट्रीशियन की हत्या में शामिल थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग आठ से दस साल से गैरकानूनी संगठन में सक्रिय थे।

एलएसी से दोनों देशों के सैनिकों वापसी पूरी, देपसांग और डेमचोक इलाकों से हटीं भारत और चीन की सेनाएं

नई दिल्ली। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। सूत्रों के मुताबिक देपसांग और डेमचोक में डिसइंगेजमेंट का काम पूरा हो चुका है। भारत और चीन दोनों देश की सेनाएं पीछे हट गई।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, कुछ दिनों पहले शुरू की गई भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया देपसांग और डेमचोक में करीब 90 प्रतिशत तक पूरी हो चुकी है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि इस प्रक्रिया में दोनों पक्षों से बुनियादी ढांचे को हटाना और सैनिकों को वापस बुलाना शामिल है। इस प्रक्रिया के मंगलवार तक पूरी होने की उम्मीद है।

जानकारी के मुताबिक भारतीय सेना का लक्ष्य 29 अक्टूबर तक दोनों क्षेत्रों में डिसइंगेजमेंट को अंतिम रूप देना है, जिसके बाद समन्वित गश्त शुरू होगी। भारत इस लंबे समय से चले आ रहे विवाद को सुलझाने की दिशा में काम कर रहा है ताकि क्षेत्र में चीनी आक्रमण की शुरुआत से पहले अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति बहाल हो सके।

प्रमुख समाचार

डीलरों को बड़ी सौगात, कम होंगे डीजल-पेट्रोल के दाम

नई दिल्ली। धनतेरस पर तेल वितरण कंपनियों (ओएमसी) ने पेट्रोल और डीजल पंप डीलरों को बड़ी सौगात दी है। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल पंप डीलरों को कमीशन बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनियों ने पेट्रोल पर दिए जाने वाले कमीशन में 65 पैसे प्रति लीटर और डीजल के कमीशन में 55 पैसे प्रतिलीटर की बढ़ोतरी की है। नया कमीशन 30 अक्तूबर से लागू होगा। तेल कंपनियों ने कहा है कि डीलरों का कमीशन बढ़ने के बाद भी डीजल-पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ेंगे। वहीं इंडियन ऑयल ने अंतरराज्यीय माल ढुलाई भाड़े को सुगम बनाया है। इससे राज्यों के भीतर विभिन्न बाजारों में पेट्रोल-डीजल के खुदरा बिक्री मूल्य में कमी आएगी। इंडियन ऑयल की ओर एक्स पर पोस्ट किया गया कि लंबे समय से चल रहे मुकदमे के बाद डीलर मार्जिन में संशोधन (30 अक्टूबर 2024 से प्रभावी) करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इसका डीजल-पेट्रोल के खुदरा बिक्री मूल्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इससे ग्राहक सेवा और रिटेल आउटलेट में कार्यरत कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ाने का संकल्प मजबूत होगा।

100 विमानों को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। सरकार और डीजीसीए की तमाम सख्ती और नियमों के बाद भी विमानों में बम की धमकियां लगातार मिल रही हैं। इस बीच एक बार फिर सूत्रों से जानकारी मिली है कि मंगलवार को भी विभिन्न भारतीय एयरलाइनों द्वारा संचालित 100 से अधिक उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूत्रों ने दावा किया है कि मंगलवार को एयर इंडिया को करीब 36 उड़ानों और इंडिगो को करीब 35 उड़ानों के लिए धमकियां मिलीं। वहीं विस्तारा की 32 उड़ानों में भी बम होने की धमकी मिली। बता दें कि बीते16 दिनों में 510 से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को धमकियां मिल चुकी हैं। हालांकि तकरीबन ये सभी जांच में फर्जी निकलीं। ज्यादातर सभी धमकियां सोशल मीडिया के माध्यम से जारी की गईं। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि उनकी ज्यादातर उड़ानों को बम की धमकी सोशल मीडिया पर मिली। धमकी मिलने पर निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत संबंधित अधिकारियों और विभागों को अलर्ट किया गया। नियामक प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुसार सुरक्षा संबंधी जांच पड़ताल की गई।

किसी भी किसान को बेदखल नहीं किया जाएगा: सिद्धारमैया

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि उनमें से किसी को भी बेदखल नहीं किया जाएगा, और उन्हें जारी किए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री का यह बयान विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, आया है। सिद्धारमैया ने कहा, किसी भी किसान को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। कल राजस्व मंत्री (कृष्ण बायर गौड़ा), एमबी पाटिल (उद्योग और विजयपुरा जिले के प्रभारी मंत्री) और वक्फ मंत्री ज़मीर अहमद खान ने संयुक्त रूप से कहा है कि विजयपुरा के किसी भी किसान को उनकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। यादगीर और धारवाड़ जिलों में भी किसानों को इसी तरह के नोटिस जारी किए जाने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, मैं राजस्व मंत्री से इस पर गौर करने को कहूंगा, कहीं भी किसानों को बेदखल नहीं किया जाएगा। टिकोटा तालुक के होनावडा में 1,200 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने को लेकर भ्रम को स्पष्ट करने की कोशिश करते हुए, एमबी पाटिल ने हाल में कहा था कि यह एक त्रुटि के कारण था।

आप विधायक अमानतुल्लाह खान की बढ़ीं मुश्किलें

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं के एक मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों को लेकर आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत (पूरक आरोपपत्र) दायर की। यह मामला ओखला इलाके में 36 करोड़ रुपये में जमीन खरीदने से जुड़ा है। 110 पन्नों की पूरक चार्जशीट में मरियम सिद्दीकी का भी नाम है, जिसे ईडी ने मामले में आरोपी के तौर पर गिरफ्तार नहीं किया था। अदालत 4 नवंबर को इस पर विचार कर सकती है। दिल्ली वक्फ बोर्ड में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के लिए ईडी के राष्ट्रीय राजधानी स्थित उनके घर पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद आप विधायक को केंद्रीय एजेंसी ने 2 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें ईडी कार्यालय लाया गया और बाद में दिल्ली की अदालत में पेश किया गया। दिल्ली वक्फ बोर्ड में नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज 2016 के एक मामले से उपजी है। उस समय बोर्ड के अध्यक्ष रहे खान पर बोर्ड में अवैध रूप से व्यक्तियों की नियुक्ति करने, दिल्ली सरकार को वित्तीय नुकसान पहुंचाने और कथित तौर पर व्यक्तिगत रूप से लाभ उठाने का आरोप है।

500 साल बाद राम मंदिर में जलाए जाएंगे हजारों दिये: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि इस साल की दीपावली ऐतिहासिक होगी क्योंकि 500 साल के इंतजार के बाद इस त्योहार पर अयोध्या में रामलला के जन्मस्थान पर बने मंदिर में हजारों दीप जलाये जाएंगे। मोदी ने कहा ये ऐसी दीपावली होगी जब भगवान राम एक बार फिर अपने घर आए हैं और इस बार ये प्रतीक्षा 14 वर्षों के बाद नहीं, बल्कि 500 वर्षों बाद पूरी हो रही है। प्रधानमंत्री ने यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की करीब 12,850 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में की। इससे पहले, एक अन्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस साल की दीपावली बहुत खास है, बहुत विशेष है...500 वर्षों के बाद प्रभु श्री राम अयोध्या के अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। और उस भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद ये पहली दीपावली है। उन्होंने कहा कि इस दीपावली की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर गईं, लाखों लोगों ने बलिदान दिए और यातनाएं झेलीं। उन्होंने कहा, ''हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं जो ऐसी विशेष, खास, भव्य दीपावली के साक्षी बनेंगे।

बागी बन सकते हैं कठिन चुनौती

एमवीए और महायुति को निकालना होगा हल वरना बिगड़ सकता है गणित

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों को लेकर सरगर्मी बढ़ी हुई है। इस बीच, देखने को मिल रहा है कि अधिकांश राजनीतिक दलों को पार्टी में विद्रोह और विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, आज महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। ऐसे में महायुति और महाविकास अघाड़ी दोनों गठबंधन के दलों के कई उन नेताओं ने भी निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है, जिन्हें पार्टी से टिकट नहीं मिला था। अब ये नेता सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए सिरदर्द बन गए हैं। 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख आज थी। वहीं उम्मीदवारों के कागजात की जांच 30 अक्तूबर को की जाएगी। वहीं, 4 नवंबर को उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख है। चार नवंबर के बाद ही चुनावी मैदान में बचे बागियों की संख्या की तस्वीर साफ हो पाएगी।

अगर नहीं लेते हैं नाम वापस तो आधिकारिक उम्मीदवारों को देंगे कड़ी टक्कर

यदि विद्रोही अपना नाम आखिर तक वापस नहीं लेते हैं और चुनाव प्रचार में एड़ी-चोटी का जोर लगाते हैं तो वे आधिकारिक उम्मीदवारों के लिए एक कठिन चुनौती पैदा करेंगे। इतना ही नहीं, महायुति और एमवीए के चुनावी गुणा-गणित को भी प्रभावित करेंगे।

महायुति में ऐसा है सीट फार्मूला

उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद महायुति में सीटों के वितरण का जो अंतिम फार्मूला सामने आया है, उसके मुताबिक भाजपा सबसे अधिक 148 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 83 और अजीत पवार की एनसीपी के खाते में 51 सीटें आई है। भाजपा ने चार सीट अपने मित्र दलों के लिए और शिवसेना ने दो सीट अपने मित्र दलों के लिए छोड़ी है। वहीं,

अंतिम समय में कुछ सीटों पर शिवसेना ने हेलिकॉप्टर से उम्मीदवारों का एबी फार्म पहुंचाया। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 5 सीटों पर महायुति के उम्मीदवारों की बीच मैत्रीपूर्ण मुकाबले के आसार हैं। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 288 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे 105 सीटें जीती थी।

इन नेताओं ने अपनाया बागी रुख

भाजपा से जिन बागियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है, उसमें एक बड़ा नाम गोपाल शेट्टी का है। गोपाल दो बार के विधायक और मुंबई से सांसद रहे हैं। उन्होंने मुंबई के बोरीवली विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार संजय उपाध्याय के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। एक अन्य स्थानीय भाजपा नेता अतुल शाह ने मुंबई शहर के मुंबादेवी से अपना नामांकन दाखिल किया है, जहां पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाइना एनसी सहयोगी शिवसेना की आधिकारिक उम्मीदवार हैं। एनसीपी की नासिक शहर इकाई के अध्यक्ष रंजन ठाकरे ने भी मौजूदा भाजपा विधायक देवयानी फरांडे के खिलाफ निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के भाई भास्कर ने बगावत कर दी है और जालना क्षेत्र में शिवसेना उम्मीदवार अर्जुन खोतकर के खिलाफ नामांकन दाखिल किया है। इसी तरह नागपुर में भाजपा के मौजूदा विधायक कृष्णा खोपड़े को नागपुर पूर्व में राकांपा की बागी आभा पांडे से चुनौती मिल रही है।

महाराष्ट्र में कौन कितनी सीटों पर लड़ रहा चुनाव? नामांकन के आखिरी दिन हुआ साफ

भाजपा ने चार सूचियों में कुल 148 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। पहली सूची में 99, दूसरी में 22, तीसरी में 25 और चौथी में दो। शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट ने 78 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिसमें पहली सूची में 45, दूसरी में 20 और तीसरी में 13 शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन के आखिरी दिन, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और महायुति गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे की व्यवस्था भी सामने आ गई है। एमवीए ने 279 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, जबकि महायुति 288 में से 283 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। एक और जहां एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), समाजवादी पार्टी (एसपी) और कांग्रेस शामिल हैं। वहीं, दूसरी ओर महायुति में भाजपा के अलावा एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। भाजपा ने चार सूचियों में कुल 148 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। पहली सूची में 99, दूसरी में 22, तीसरी में 25 और चौथी में दो। शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट ने 78 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिसमें पहली सूची में 45, दूसरी में 20 और तीसरी में 13 शामिल हैं।

विस्फोटक के साथ 3 लाख के ईनामी, 3 स्थाई वारंटी सहित 19 नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत थाना भेज्जी के ग्राम भण्डारपदर में किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने के लिए गोमपाड़ व भण्डारपदर के बीच जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर थाना भेज्जी से जिला बल एवं कैम्प भेज्जी/कैम्प कोत्ताचेरू से 219 वाहिनी सीआरपीएफ का संयुक्त बल अभियान हेतु ग्राम भण्डारपदर, गोमपाड़ की ओर रवाना हुआ था। पुलिस की संयुक्त पार्टी द्वारा ग्राम भण्डारपदर के जंगल की घेराबंदी करने पर 5 नक्सली वंजाम आयता पिता स्व. वंजाम पोज्जा उ (जनमिलिशिया सदस्य), पोडियाम कोसा पिता स्व. पोडियाम मासा (जनमिलिशिया सदस्य), सोड़ी आयता पिता सोड़ी कोसा (जनमिलिशिया सदस्य), सोड़ी हड़मा पिता सोड़ी धुड़वा (जनमिलिशिया सदस्य) तथा पोडियाम पोज्जा पिता पोडियाम मासा (भण्डारपदर जनताना सरकार उपाध्यक्ष), सभी निवासी ग्राम भण्डारपदर थाना भेज्जी जिला सुकमा को गिरफ्तार किया गया। सभी नक्सलियों के विरूद्ध ग्राम भण्डारपदर में शासकीय विद्युतीकरण का कार्य कर रहे बिजली मिस्त्री पोडियाम जोगा की माह फरवारी 2024 में हत्या करने तथा विगत माह सितम्बर 2024 में पुलिस मुखबीरी के आरोप लगाकर भण्डारपदर निवासी ओयामी पाण्डू की हत्या मामले में नामजद आरोपी होना पाया गया।

उपरोक्त दोनों ही घटना के सम्बंध में थाना भेज्जी में दर्ज अपराध क्रमांक 3/2024 धारा

147,148,149,302,396,120-बी भा.द.वि. 25 आर्म्स एक्ट एवं अपराध क्रमांक 6/2024 धारा 61, 103(1), 190,191,331(8) भारतीय न्याय संहिता 25,27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध किया जाकर भेज्जी पुलिस द्वारा मामले के नामजद नक्सली आरोपियों की पता-तलाश की जा रही थी। इसी प्रकार थाना भेज्जी क्षेत्रांतर्गत साप्ताहिक बाजार स्थल के पास वर्ष-2022 में 2 पुलिसकर्मियों की हत्या के मामले में नक्सली आरोपी वंजाम आयता, सोड़ी आयता व सोड़ी हड़मा के विरूद्ध माननीय न्यायालय द्वारा स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। पुलिस की पूछताछ में सभी पाँचों आरोपियों द्वारा कोन्टा एरिया कमेटी के भण्डारपदर आर.पी.सी. अंतर्गत नक्सली जनमिलिशिया सदस्य के पद पर विगत 10-12 वर्षों से सक्रिय रहकर क्षेत्र में विभिन्न नक्सली वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया । गिरफ्तार नक्सलियों को आज मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल कर दिया गया है।

इसी तारतम्य में नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर थाना जगरगुण्डा से डीआरजी का बल एवं कैम्प पुवर्ती से 201 कोबरा वाहिनी एवं 150 वाहिनी सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी नक्सल गस्त सर्चिंग हेतु ग्राम तुमालपाड़ व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान तुमालपाड़ के जंगल-पहाड़ी के पास घेराबंदी कर 14 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गये व्यक्तियों से पूछताछ करने पर अपना नाम बारसे हड़मा पिता मंगडू (मिलिशिया कमाण्डर 1 लाख का ईनामी), बारसे हिंगा पिता सोमड़ा (मिलिशिया सदस्य), हेमला मंगडू पिता ध्रुरवा उर्फ धुड़वा (मिलिशिया सदस्य), बारसे नागेष पिता हुंगा (सीएनएम कमाण्डर 1 लाख का ईनामी), बारसे जोगा पिता कोंदा (मिलिशिया सदस्य), मड़कम राकेष पिता जोगा (कमेटी सदस्य), हेमला जीतू पिता स्व. हुंगा (सीएनएम कमाण्डर 1 लाख का ईनामी), बारसे मंगडू पिता स्व. सुक्का (मिलिशिया सदस्य पुवर्ती आरपीसी), बारसे हिंगा पिता हुंगा (मिलिशिया सदस्य), माड़वी हड़मा पिता मंगडू (मिलिशिया सदस्य), मड़कम आयतू पिता स्व. नंदा (कमेटी सदस्य), मड़कम हिंगा पिता सुक्का (मिलिशिया सदस्य), माड़वी नंदा पिता हिड़मा (मिलिशिया सदस्य) तथा बारसे देवा पिता भीमा (सरकार कमेटी सदस्य) उक्त सभी निवासी पुवर्ती थाना जगरगुण्ड़ा जिला सुकमा का होना तथा नक्सल संगठन में उपरोक्त पदों पर कार्य करना स्वीकार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से बारसे हड़मा पिता मंगडू के कब्जे से बारूद करीबन 300 ग्राम, टाईगर बम 3 नग, माचिस 2 नग, जिलेटिन राड 3 नग, लाल रंग का कोडेक्स वायर लगभग 2.50 मीटर, पेंसिल सेल 6 नग जिसमें वायर लगा हुआ करीबन 1 मीटर, बिजली वायर करीबन 4 मीटर, डेटोनेटर 3 नग बरामद किया गया। उपरोक्त सामाग्री को रखे जाने के संबंध में गहन पूछताछ करने पर बताये कि बड़े नक्सलियों के आदेश पर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से रखना तथा मौके पाकर सुरक्षा बलों के आने-जाने वाले मार्ग में आईईडी लगाने के लिये आना बताये। उक्त कृत्य विधि विरूद्ध पाये जाने से उक्त गिरफ्तार नक्सलियों के खिलाफ थाना जगरगुण्डा में अपराध क्रमांक 28/2024 धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर सभी नक्सलियों के विरूद्ध कार्यवाही उपरांत आज मंगलवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल कर दिया गया है। उपरोक्त घटना में शामिल अन्य नक्सलियों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्र में अभियान चलाया जा रहा है। कुल 19 नक्सलियों को गिरफ्तार करने में थाना भेज्जी, जगरगुण्डा पुलिस बल, डीआरजी, 219, 150 वाहिनी सीआरपीएफ, एवं 201 वाहिनी कोबरा का योगदान रहा।

नक्सलियों ने प्रेस नोट में बताया कि देश भर में 56 टाइगर रिजर्व इलाकों में 600 गांवों के 70 हजार के विस्थापित का रखा लक्ष्य

बीजापुर। नक्सलियों के दक्षिण सब जोनल ब्यूरो ने एक प्रेस नोट जारी कर इसमें कहा गया है कि इंद्रावती और उदंती राष्ट्रीय उद्यानों के विस्तार और बाघ संरक्षित क्षेत्र घोषित करने के नाम पर सरकार स्थानीय जनता को विस्थापित करने की योजना बना रही है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने देश भर में 56 टाइगर रिजर्व इलाकों में 600 गांवों के लगभग 70 हजार परिवारों को विस्थापित करने का लक्ष्य रखा है। नक्सली इस आंकड़े को जमीनी हकीकत से कम बताते हुए कहा कि यह संख्या लाखों में हो सकती है। प्रेस नोट में नक्सलियों ने केंद्र सरकार पर वन संरक्षण अधिनियम में संशोधन करके आदिवासी क्षेत्रों को कारपोरेट कंपनियों को सौंपने का आरोप लगाया। इसके अनुसार जंगलों और खनिज संसाधनों से भरपूर छत्तीसगढ़ में खनिज संपदा की लूट और कॉर्पोरेट परियोजनाओं के लिए हजारों एकड़ जंगल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ पुलिस कैंप भी स्थापित किए जा रहे हैं।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बीजापुर जिले के कुटरू और भोपालपट्टनम ब्लॉक में स्थित सात पंचायतों के 78 गांवों को अलग-अलग चरणों में खाली कराने का सरकार का प्रस्ताव है। पहले चरण में 22 और दूसरे चरण में 56 गांवों को विस्थापित किया जाएगा। नक्सलियों का दावा है कि इससे हजारों लोग प्रभावित होंगे, जिनमें से कई के पास ज़मीन के वैध पट्टे भी नहीं हैं, और ऐसे लोगों के पुनर्वास के लिए कोई स्पष्ट योजना नहीं बनाई गई है। माओवादी संगठन का आरोप है कि 2009 में इंद्रावती क्षेत्र को टाइगर रिजर्व घोषित करने के बावजूद वहां रहने वाले लोगों को विस्थापित नहीं किया गया। लेकिन अब सरकार नए सिरे से विस्थापन का प्रयास कर रही है।

डेबिट कार्ड चार्ज बंद करने का झांसा देकर शख्स से की 15 लाख की ठगी

पुलिस ने 3 आरोपियों को दिल्ली से किया गिरफ्तार

पथरिया। मुंगेली जिले के सरगांव थाना क्षेत्र में एक बैंक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें 15 लाख रुपये की ठगी की गई। जानकारी के मुताबिक, सरगांव निवासी बजरंग साहू ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि 4 अक्टूबर 2024 को उनके भाई योगेश साहू के मोबाइल पर एक अज्ञात कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए डेबिट कार्ड का वार्षिक शुल्क बंद कराने के नाम पर ओटीपी प्राप्त कर लिया। इसके बाद उनके जॉइंट बैंक खाते से तीन बार में 15 लाख रुपये निकाल लिए गए।

पीड़ित की शिकायत पर सरगांव थाना पुलिस ने धारा 318(4) बी.एन.एस. के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इसके बाद टीम ने सक्रियता से मामले से जुड़े आरोपियों के बैंक डिटेल और मोबाइल लोकेशन की जानकारी एकत्रित की और दिल्ली के लिए रवाना हुई। स्थानीय पुलिस के सहयोग से संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, जिसमें तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों में गुलशाना उर्फ शालिनी कुमारी (उम्र 28 वर्ष), नरेन्द्र प्रताप उर्फ पंकज कुमार (उम्र 30 वर्ष), और अनिल कुमार (उम्र 38 वर्ष) शामिल हैं। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने गुलशाना के कब्जे से 1,50,000 रुपये नकद, दो विवो मोबाइल, नरेन्द्र प्रताप से 1,10,000 रुपये नकद, और दो विवो मोबाइल, जबकि अनिल कुमार से 1,60,000 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन बरामद किए।

ब्लेस बस्तर प्रार्थना महोत्सव को लेकर बढ़ा विवाद

जगदलपुर। शहर में 8 से 10 नवंबर के बीच आयोजित ब्लेस बस्तर प्रार्थना महोत्सव को लेकर विवाद पैदा हो गया है। हिंदूवादी संगठनों ने धर्मान्तरण का आरोप लगाते हुए आयोजन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ब्लेस बस्तर प्रार्थना महोत्सव आयोजन समिति के द्वारा आयोजित इस प्रार्थना सभा में पॉल दिनाकरन और उनका परिवार हिस्सा लेगा। हिंदूवादी संगठनों का आरोप है कि आयोजन समिति द्वारा धर्मांतरण के उद्देश्य से प्रार्थना महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भोले-भाले आदिवासियों का धर्मांतरण कराया जाएगा। इस कार्यक्रम का बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, लेकिन धर्मांतरण के आरोपों के बीच आयोजन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। हिंदूवादी संगठनों ने प्रशासन को कार्यक्रम की अनुमति निरस्त करने की मांग की है।

इस दिवाली, गरीब महिलाओं के हाथ नहीं रहेंगे खाली

हाथों में पैसा होने से खरीद पाएंगी जरूरी सामान, खुशियों में नहीं लगेगा ग्रहण

कोरबा। इस दिवाली, गरीब महिलाओं के हाथ नहीं रहेंगे खालीवनांचल के बसाहट में रहने वाली पहाड़ी कोरवा दशरी बाई हो या फिर कोरबा जिले से लगभग 120 किलोमीटर दूर अन्तिम छोर के गाँव डोकरमना की कामता बाई...इन सभी को याद है कि आज से एक साल पहले ऐसी कई दीवाली सहित त्यौहार आई..लेकिन इन त्योहारों की खुशियों में अक्सर गरीबी का ग्रहण ऐसा लग जाता था कि वे चाहकर भी खुशियों के मौके पर खुश नहीं हो पाती थीं। हाथों में पैसा नहीं होने से वे न तो अपनी पसंद की जरूरी सामग्री खरीद पाती थी और न ही घर पर कोई पसन्द का व्यंजन बना पाती थीं। अब जबकि महतारी वंदन योजना से खाते में हर महीने एक-एक हजार रुपए जमा हो रहे हैं तो इन गरीब महिलाओं को त्यौहार जैसे खास अवसरों में मुस्कुराने के साथ ही खुद का और रिश्तेदारों के मुंह मीठा करने का मौका मिल गया है।

महतारी वंदन योजना में नाम जुडऩे के पश्चात हर महीने एक-एक हजार रुपए अपने खाते में प्राप्त करने वाली पहाड़ी कोरवा दशरी बाई की जिंदगी बहुत ही चुनौतियों तथा संघर्ष के बीच घिरी हुई है। घने जंगल में बसाहट में रहने वाली दशरी बाई के पास आमदनी का कोई साधन नहीं है। वह कुछ खास सीजन में कुछ रुपये वनोपज संग्रहण से जोड़ पाती है, इस बीच जिंदगी बहुत ही मुफलिसी से कटती है। उसके लिए घर का जरूरी सामान व राशन

के इंतेजाम से और कुछ होता ही नहीं है। वह बताती है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एक-एक हजार रुपए जो खाते में भेजा है वह उनके लिए बहुत ही काम आती है। राशन से जुड़े सामान खरीदने के साथ ही अपनी जरूरतों के सामग्री खरीद लेती है।

उन्होंने बताया कि पति पण्डाराम को कभी-कभी काम मिलता है तो करते हैं। दशरी बाई ने बताया कि आने वाले दिनों में त्यौहार है। महतारी वंदन योजना से मिली राशि उसके लिए बहुत उपयोगी साबित होगी, क्योंकि इससे पहले कई त्यौहार खाली हाथ बीता है। इस बार इस राशि से कुछ न कुछ व्यंजन घर पर जरूर बनाएगी। कोरबा ब्लॉक के अन्तिम छोर के ग्राम डोकरमना की कामता बाई को भी हर महीने एक हजार मिलता है। उन्होंने बताया कि गाँव में मजदूरी मिलना आसान नहीं है। एक हजार रुपये गाँव की महिलाओं के लिए एक बड़ी राशि होती है। यह राशि मेरे खाते में आ गई है और इस पैसे का सदुपयोग इस त्यौहार में होगा।

पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत अन्तिम छोर के ग्राम पतुरियाडाँड़ की पिंकी पैकरा, रामबाई बताती है कि हर महीने उनके खाते में पैसा आ जाता है। उनके लिए महतारी वंदन की राशि उनके संघर्षमय जीवन को राहत पहुचाने वाला जैसा है। वृद्धा रामबाई ने बताया कि खाते में पैसा आने का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे अनेक उम्मीदें भी सजने लगी है और इस बात की चिंता नहीं रहती कि त्यौहार जैसे मौके में कुछ पैसे के लिए किसी के आगे हाथ फैलाएं या उधार लें। उन्होंने बताया कि इस बार त्योहार सहित अन्य खास मौके में हाथ में पैसा रहने से अपने या किसी अन्य के लिए कुछ खरीद कर खुशियों को दुगनी कर सकते हैं। हमारे खुशियों को दुगनी करने वाले छत्तीसगढ़ सरकार को हम बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पुलिस भर्ती के नाम पर न दें पैसे : बस्तर एसपी

जगदलपुर। 15 नवंबर से बस्तर जिले में आरक्षक पद के लिए पुलिस भर्ती निकलने वाली है। इसके लिए अभ्यार्थी जी तोड़ मेहनत भी कर रहे हैं, लेकिन ऐसे भी कुछ लोग हैं जो भर्ती करने के नाम पैसे ठग लेते हैं। ऐसे मामलों को लेकर बस्तर एसपी के द्वारा सोशल मीडिया पर वीडियो भी जारी किया गया है। इसमें किसी भी भर्ती के नाम पर पैसे न देने की बात कही है। बस्तर एसपी शलभ सिन्हा ने सोशल मीडिया पर एक 2 मिनट 5 सेकेंड का वीडियो जारी करते हुए अपील की है कि आने वाले 15 नवंबर से बस्तर जिले में आरक्षक भर्ती प्रक्रिया होने वाली है, ऐसे में अभ्यर्थी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कुछ लोग ऐसे अभ्यर्थी को अपनी बातों को लेकर उनसे पैसों की डिमांड के साथ ही नौकरी लगाने के साथ ही ऊंचे पहुँच का धौस भी दिखाते है। बस्तर एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शिता है। इसमें किसी भी तरह से कोई धांधली नहीं की जा सकती है।

नई सीईओ ने किया राज्योत्सव स्थल का निरीक्षण

जगदलपुर। शहर के दंतेश्वरी मंदिर के सामने प्रांगण में राज्योत्सव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बस्तर में नवपदस्थ सीईओ पहुंचीं। जहां आला अधिकारियों से पंडाल से लेकर हर कार्यक्रम के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। एक दिन पहले ही बस्तर जिले की नई सीईओ प्रतिष्ठा ममगाई ने अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार की सुबह राज्योत्सव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए अपर कलेक्टर सीपी बघेल, नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी व आला अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। जहां सब से चर्चा करने के साथ ही स्टेज, कार्ड, अतिथियों का स्वागत, उद्बोधन के अलावा लोकल कलाकार के साथ ही मुख्य अतिथि के स्वागत से लेकर अन्य पहलुओं के बारे में बारीकी से चर्चा करने के साथ ही बैठने की व्यवस्था आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। इसके अलावा राज्योत्सव को और कितने बेहतर ढंग से इसे सफल बना सके, इसी बात को लेकर प्लानिग तैयार किया गया है।

सरदार पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी का आगाज

जगदलपुर। जिला प्रशासन ने 29 अक्टूबर को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन दंतेश्वरी मंदिर के सामने से किया। इस दौड़ का शुभारंभ सीईओ सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के द्वारा किया गया। इस दौड में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षण संस्थाओं के बच्चे, पुलिस ट्रेनिंग सेंटर व होमगार्ड के जवान, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खेल संघों के खिलाड़ी व पदाधिकारियों ने भाग लिया। रन फॉर यूनिटी दौड़ सुबह 7.30 बजे दंतेश्वरी मंदिर परिसर से होते हुए संजय मार्केट, हनुमान मंदिर, हाता ग्राउंड, बस्तर हाई स्कूल के सामने से होते हुए गोल बाजार चौक से मंदिर प्रांगण में समाप्त हुई। खेल विभाग ने रन फॉर यूनिटी के सफल आयोजन को लेकर बधाई भी दी।

दो बच्चों के साथ नहर में डूबी मां

कोरबा। कोतवाली थाना अंतर्गत रताखार दर्री मुख्य मार्ग नहर पर सोमवार दोपहर नहर में नहाने गई मां और दो बच्चे बह गए। बच्चों का पता नहीं चला। नहर में पानी कम नहीं करने के विरोध में पीड़ित परिवार और बस्तीवासियों ने सीएसईबी चौकी का घेराव किया। साथ ही सड़क भी जाम कर दी। शव नहीं मिलने और नहर में पानी कम नही करने के विरोध में पीड़ित परिवार और बस्तीवासियों ने सीएसईबी चौकी का घेराव कर चौकी के सामने सड़क जाम कर दी। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए बताया कि घटना के बाद वो सीएसईबी चौकी गए, जहां से उन्हें कोतवाली भेजा गया। कोतवाली से सीएसईबी चौकी भेजा गया इतना ही नहीं पुलिस उन्हें इधर-उधर घुमा रही है। सीमा विवाद पर पुलिस उन्हें परेशान कर रही है। घटना को कई घंटे बीत गए, लेकिन नहर का पानी कम नहीं हुआ है। ऐसे में बच्चे कहां मिलेंगे इन सब बातों को लेकर मंगलवार की सुबह पीड़ित परिवार और बस्तीवासी सीएसईबी चौकी पहुंचे और चौकी का घेराव कर चौकी के सामने ही बैठ गए।

अज्ञात वाहन ने स्कूल में पदस्थ बाबू को मारी टक्कर

रायगढ़। रायगढ़ जिले में अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूल मे पदस्थ एक बाबू को टक्कर मार दी। इस घटना में मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक के भाई की रिपोर्ट के बाद छाल थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच मे ले लिया है। छाल थाना में अनुदीपक लकडा ने तहरीर देते हुए बताया कि वह ग्राम हाटी के स्कूल में स्वाध्यायी शिक्षक हैं, उनका बड़े भाई आसमिन लकडा शासकीय उ.मा.वि. फगुरम जिला सक्ती में बाबू के पद पर कार्यरत था, जो ग्राम हाटी से रोजाना आना-जाना करते थे। अनुदीपक लकडा ने बताया कि सोमवार सुबह उनका बड़ा भाई ड्यूटी जा रहा हूं कहकर घर से निकला था, शाम करीब पौने सात बजे फोन से सूचना मिली कि तरेकेला पुलिया के पास उनके बड़े भाई का शाम छह बजे के करीब एक्सीडेंट हो गया। अनुदीपक लकडा ने बताया कि इस सूचना के बाद जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा की मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी हुई थी।

मुख्यमंत्री ने किया 'व्यापार मेला' के ब्रोशर का विमोचन

मुंगेली। मुंगेली के त्यौहार के नाम से प्रसिद्ध 'मुंगेली व्यापार मेला' के ब्रोशर विमोचन के साथ ही आगामी आयोजन की तारीख् का ऐलान कर दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय पहुना में स्टार्स आफ टुमारो वेलफेयर सोसायटी मुंगेली के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात कर आमंत्रण पत्र देकर मेले में सम्मिलित होने का न्योता दिया, जिस पर सीएम ने मेले में शामिल होने का आश्वासन दिया। साथ ही 26 नवंबर से आयोजित होने वाले बहुप्रतीक्षित मुंगेली व्यापार मेला के 9वें वर्ष के ब्रोशर का विमोचन किया।

इस अवसर पर स्टार्स ऑफ टुमॉरो के संयोजक रामपाल सिंह, सह संयोजक रामशरण यादव, अध्यक्ष महावीर सिंह, सचिव विनोद यादव और सलाहकार मंडल के सदस्य मनीष शर्मा उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने व्यापार मेले में आमंत्रण के लिए

प्रतिनिधिमंडल को धन्यवाद देते हुए व्यापार मेले के सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने स्टार्स ऑफ टुमॉरो द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और पिछले सालों में मुंगेली व्यापार मेला के माध्यम से व्यापार व्यवसाय के क्षेत्र में अनुकूल वातावरण के निर्माण के लिए प्रयासों की भी सराहना की। बता दें कि स्टार्स ऑफ टुमारो वेलफेयर सोसाइटी मुंगेली के तत्वाधान में छह दिवसीय मुंगेली व्यापार मेला का आयोजन 26 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक किया जा रहा है। मुंगेली जिले के औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए पिछले 8 सालों से यह आयोजन किया जा रहा है, जिसकी ख्याति साल दर साल बढ़ती ही जा रही है।

विगत वर्ष की भांति इस साल भी व्यापार मेले में देश के सभी राज्यों के प्रमुख उत्पाद के साथ हस्तशिल्प, टेराकोटा, खादी ग्रामोद्योग, बस्तर आर्ट, महिला गृह उद्योग, हर्बल प्रोडक्ट, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, छत्तीसगढ़ सहित राष्ट्रीय स्तर के उपयोगी उत्पादों, शिक्षा, स्वास्थ, कृषि, आटोमोबाइल, लघु एवं कुटीर उद्योगों के साथ ही शासन के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के स्टाल लगाए जाएंगे। साथ ही शाम से लेकर देर रात तक होने वाले विविध परिवारिक सांस्कृतिक गतिविधिया, स्वस्थ मनोरंजन के लिए अत्याधुनिक झूला घर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण के केंद्र होंगे।

रायगढ़ में हाथी के हमले में एक की मौत, डर के साये में रहे ग्रामीण

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बीती रात हाथी के हमले से एक ग्रामीण की मौत हो गई। गांव में हाथी आने के बाद ग्रामीण युवक उसे भागने गया था। इसी दौरान यह घटना घटित हो गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई मे जुट गई है। मामला धरमजयगढ़ वन मंडल का है।

मिली जानकारी के मुताबिक, धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम दुलियामुडा गांव में बीती रात नौ बजे एक हाथी गांव के करीब पहुंच गया था, जिसके बाद गांव के ग्रामीण हाथी को बस्ती से दूर भागने के प्रयास मे जुट गए थे, इसी बीच हाथी ने गांव के एक ग्रामीण युवा वेदराम कंवर 35 साल को कुचल कर मौत के घाट उतार दिया। यह घटना राजा जंगल के करीब घटित हुई है।

वन विभाग के एक कर्मचारी ने बताया की रात करीब सवा नौ बजे घटना की जानकारी

मिलने के विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। आज पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों के सुपुर्द करते हुए पश्चात सहायता राशि दी जाएगी।

धरमजयगढ़ क्षेत्र के हाथी प्रभावित इलाकों मे वन विभाग के आलावा हाथी मित्र दल के सदस्य गाँव गाँव पहुंच कर हाथी मानव द्वन्द को रोकने लगातार ग्रामीणों को जागरूक करते आ रहें हैं, और किसी भी हाल मे हाथी के करीब नहीं जाने की अपील की जाती है, इसके बाद लापरवाही के कारण इस तरह की घटना घटित हो रही है।

हाथी प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा जाता है कि कुछ शरारती तत्व शराब के नशे में हाथियों को खदेडने उनके करीब तक पहुंच जाते हैं, पिछले दिनों कुछ ग्रामीणों के द्वारा हाथियों के दल को पत्थर मारकर भागने का वीडियो के आलावा ट्रेक्टर से हाथियों को भागने का भी वीडियो सामने आ चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान रायपुर का किया वर्चुअली शिलान्यास

■ यहां से प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार की तरफ अग्रसर होंगे छत्तीसगढ़ के युवाः स्वास्थ्य मंत्री

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर वर्चुअल माध्यम से रायपुर में बनने वाले 100 बिस्तरों वाले केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान का शिलान्यास किया।प्रधानमंत्री श्री मोदी अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से रायपुर से जुड़े थे। श्री मोदी ने कहा कि देश के लोग जितना ज्यादा स्वस्थ रहेंगे, देश की प्रगति उतनी ही तेजी से होगी। पूरी दुनिया के लोग योग और पंचकर्म के लिए भारत आते हैं और आने वाले समय में इनकी संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ काम रही है।

केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान रायपुर को केन्द्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (सीसीआरवायएन) के तहत स्थापित किया जा रहा है। 90 करोड़ रूपए की लागत से इस संस्थान का निर्माण 24 माह में पूरा होगा। राज्य सरकार ने इस संस्थान के लिए 10 एकड़ की भूमि

विभाग को उपलब्ध करा दी है। यह छत्तीसगढ़ का पहला योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र और अस्पताल होगा जो गैर संचारी रोगों जैसे मोटापा, प्रीडायबिटीज, मेटाबोलिक सिंड्रोम, व गठिया आदि के उपचार की सुविधा प्रदान करेगा।

अनुसंधान केन्द्र में बाह्य रोगी और प्रशासनिक ब्लॉक, आंतरिक रोगी ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, योग हॉल, आहार केन्द्र, मालिश और फिजियोथेरेपी अनुभाग के साथ ही अनुसंधान ब्लॉक भी स्थापित होंगे। यह केन्द्र स्पा और वेलनेस थेरेपी में प्रशिक्षण प्रमाणन पाठ्यक्रम और अनुसंधान में फेलोशिप पाठ्यक्रम संचालित करेगा। केंद्र में वेलनेस थिरेपी में प्रशिक्षण प्रमाणन पाठ्यक्रम और अनुसंधान में फेलोशिप पाठ्यक्रम का भी संचालन होगा। इस संस्थान के शुरू होने से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रभावों के बारे में नए ज्ञान का विकास होगा।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश अपनी पुरानी पद्धतियों को संजोकर लगातार आगे बढ़ रहा है। श्री जायसवाल ने कहा कि आज धनतेरस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के रूप में जो उपहार दिया है उसे हम और हमारी आने वाली पीढियां भी याद करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि इस अनुसंधान केंद्र के स्थापित हो जाने के बाद राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। युवा यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर सक्षम बनेंगे और स्वरोजगार को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि भारत देश योग और आयुर्वेद में सदैव अग्रणी रहा है और इस तरह के अनुसंधान केंद्रों के खुलने से इस परंपरा को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चतुर्मुखी विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार ,मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है।

रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, विधायक श्री खुशवंत साहेब, विधायक श्री मोती लाल साहू, आयुष विभाग के अधिकारी एवं आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भगवान राम अयोध्या में विराजमान हो चुके है यह दीपावली बेहद खास है : देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़वासियों को धनतेरस, रूप चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजन व भाई दूज के पंच दिवसीय महापर्व की शुभकामनाएँ देते हुए प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की है। अपने शुभकामना संदेश में श्री देव ने कहा कि देश में तब खुशी का माहौल था, जब भगवान रामचंद्र जी की प्राण-प्रतिष्ठा अयोध्या में हुई। यह हमारा परम सौभाग्य है कि हम भगवान रामचंद्र के ननिहाल में रहते हैं। देव ने कहा कि यह मंगल बेला अयोध्या में त्रेतायुग में रामराज्य लेकर आई थी, उसी प्रकार छत्तीसगढ़ के भाँचा राम के ननिहाल में भी सुशासन व समृद्धि स्थापित हो।दीपों का यह त्यौहार राज्य के विकास और जनता के जीवन में खुशहाली लाए। अंधकार को मिटाकर प्रकाश फैलाने वाला यह त्यौहार राज्य के विकास के साथ जनता के जीवन में उजाला लाए। रोशनी का यह त्यौहार सबके जीवन, घर-आंगन को खुशियों और सुख-समृद्धि से भर दे। हम सब स्नेह का दीपक जलाएं, जिसका प्रकाश हमारे जीवन में हमेशा बना रहे।

जनसंपर्क कमिश्नर रवि मित्तल ने संभाला पदभार, अजय अग्रवाल ने सौंपा कार्यभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नव पदस्थ जनसंपर्क आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने नया रायपुर स्थित संवाद कार्यालय में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। डॉ मित्तल को प्रभारी आयुक्त एवं संचालक अजय अग्रवाल ने कार्यभार सौंपा और उनका स्वागत किया । इस अवसर पर जनसंपर्क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। डॉ रवि मित्तल 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे हाल ही में जशपुर कलेक्टर के पद पर पदस्थ रहे । डॉ मित्तल ने महासमुंद, रायगढ़ व रायपुर में जिला पंचायत सीईओ के रूप में कार्य किया है । वे 2018 में बगीचा एसडीएम भी रह चुके हैं। डॉ रवि मित्तल ने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली से एमबीबीएस किया और फिर वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में आये।

प्रदेश में गोवर्धन पूजा पर होगा कोषालय और बैंकों में सार्वजनिक अवकाश

रायपुर। दीपावली के दूसरे दिन (गोवर्धन पूजा) के अवसर पर राज्यभर के कोषालय और बैंकों के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस आशय का आदेश आज सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा जारी किया गया है।

एआईसीसी से कांग्रेस नेता नितिन भंसाली को मिली साउथ नागपुर की जिम्मेदारी

रायपुर। एआईसीसी ने महाराष्ट्र के 43 विधानसभा में समन्वयक नियुक्त किया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नितिन भंसाली को साउथ नागपुर का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया है। नितिन भंसाली ने इस जिम्मेदारी के लिए एआईसीसी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का आभार जताया है। बता दें कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं। यहां 9।63 मतदाता हैं। महाराष्ट्र में एक चरण में मतदान होगा। 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। साल 2019 का चुनाव बीजेपी और अविभाजित शिवसेना ने एनडीए के बैनर तले लड़ा था। बीजेपी ने 165 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। इनमें 105 सीटों पर जीत दर्ज की थी। शिवसेना ने 126 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 56 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस ने 147 सीट पर उम्मीदवार उतारे थे। इनमें से 44 सीटों पर ही जीत मिली थी। एनसीपी को 54 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। उसने 121 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे।

चेंबर का दीपावली मिलन समारोह 1 नवम्बर को

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा प्रतिवर्षानुसार दीपावली मिलन समारोह 1 नवम्बर, 2024 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक चै.देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में आयोजित की गई है।

जिला पंचायत सीईओ ने मतदाता जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

रायपुर। दक्षिण विधानसभा उपनिर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में आज जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी श्री विश्वदीप ने मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाई। यह रथ दक्षिण विधानसभा के विभिन्न मार्गों में जाकर मतदाताओं को जागरूक करेंगी। इस अवसर पर जिला उप निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर बंदे, जिला समन्वयक श्री के.एस. पटले, जिला परियोजना अधिकारी एवं स्वीप की सहायक नोडल अधिकारी डॉ कामिनी बावनकर, जिला सहायक परियोजना अधिकारी श्री चुन्नी लाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने रायपुरवासियों के साथ लगाई एकता दौड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने आज मंगलवार को राजधानी रायपुर के तेलीबांधा तालाब में राजधानीवासियों के साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए दौड़ लगाई। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान एकता दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, टंकराम वर्मा, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब ने भी एकता दौड़ लगाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान सरदार पटेल ने अंग्रेजों के खिलाफ कई बड़े आंदोलनों का नेतृत्व किया। स्वतंत्रता के बाद उन्हीं के प्रयासों से रियासतों को एक करके उन्हें स्वतंत्र भारत में शामिल किया गया। श्री साय ने कहा कि सरदार पटेल ने भारत की अखंडता अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि रन फॉर यूनिटी सभी लोगों को एकजुट होकर आगे बढ़ने की

प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने जिस संकल्प और साहस के साथ राष्ट्र को एकजुट किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। रन फॉर यूनिटी के आयोजन का उद्देश्य फिटनेस के मंत्र को भी देशभर में फैलाना है। सभी स्वस्थ रहेंगे तो देश अपनी पूरी ऊर्जा के साथ विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ पाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को धनतेरस, दीपावली, राज्य स्थापना, अन्नकूट और छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी।

मंत्री राम विचार नेताम ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पावन दिन हमें अपने देश की एकता अखंडता को बनाये रखने की प्रेरणा देता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को हम भारतवासी कभी नहीं भूल सकते। खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि रन फॉर यूनिटी देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा का संदेश देता है। सरदार पटेल ने देश की अखंडता के लिए 500 से अधिक रियासतों को एक बनाया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य रखा है, इसे पूरा करने के लिए हम सभी मिलकर आगे बढ़े। इस वर्ष दीपावली के उत्सव को देखते हुए 29 अक्टूबर को ही राष्ट्रीय एकता दिवस और रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

कांग्रेस ने भाजपा प्रत्याशी सोनी के साथ दिख रहे शोएब ने वीडियो को बताया सही

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रायपुर दक्षिण उपचुनाव के बीजेपी प्रत्याशी सुनील सोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सुनील सोनी मुश्लिम व्यक्ति को गले लगाकर

माथा चूमते नजर आ रहे। इसे भाजपा ने फेक बताया था। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने आज प्रेसवार्ता की। वायरल वीडियो में नजर आने वाले मोहम्मद शोएब भी इस प्रेसवार्ता में मौजूद थे। वीडियो को लेकर पिछले दो दिनों से सियासत हो रही है। इस मामले में मोहम्मद शोएब ने कहा कि यह वीडियो फेक नहीं है। यह मेरे साथ हुआ था। इस वीडियो में मुझे कोई आपत्ति भी नहीं है।

मोहम्मद शोएब ने वीडियो के बारे में पूरी जानकारी देते हुए बताया कि सुनील सोनी से हमारी मुलाकात 2019 में सब्जी मार्केट में हुई थी। उसके बाद पेपर फोटो आया था। मुझे बताया गया था कि ऐसे ही कोई खींचा था तो फोटो डाल दिया होगा। मुझे आइडिया नहीं था। दो-तीन दिन से हमारा फोटो-वीडियो वायरल हो रहा है। हमारे कई लोग, रिश्तेदार लोग आकर पूछते हैं, वायरल क्यों हो रहा है, ऐसा क्या मामला है, जबकि मुझे इस मामले में कोई जानकारी नहीं है। फिर मैंने बताया कि सुनील सोनी का उससे मुलाकात करते समय सब्जी मार्केट में फोटो लिया गया था। इस दौरान सुनील सोनी गले मिले थे और माथा चूमे थे और मैंने उनको बधाई दी थी।

मोहम्मद शोएब ने बताया कि यह वीडियो फेक नहीं है। यह मेरे साथ हुआ था। इस वीडियो में मुझे कोई आपत्ति भी नहीं है। मेरा सभी से मुलाकात होती है। मुख्यमंत्री से भी मेरी मुलाकात हुई है। मैं उनके यहां भी जाता था। दिलीप सिंह जूदेव से भी मेरी मुलाकात थी। बहुत सारे नेताओं से मेरी मुलाकात है। काम करने गया हूं। उनके बेटे विजिट करके आए थे। युद्धवीर सिंह यहां गए थे। काफी दिनों से मैं इन लोगों से जुड़ा हूं और ऐसी कोई बात नहीं है।

बता दें कि वायरल वीडियो को लेकर पिछले दो दिनों से छत्तीसगढ़ में सियासत हो रही है। इसी मामले को लेकर भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा सहित बड़ी संख्या में नेताओं ने वीडियो को लेकर सिविल लाइन थाने में शिकायत भी की थी। शिकायत के बाद कांग्रेस मीडिया के प्रमुख के पर एफआईआर दर्ज हुई। उसके बाद आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेसवार्ता की, जिसमें वीडियो से आधारित सारी बातों का खुलासा किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे, पूर्व विधायक धनेंद्र साहू, संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, पूर्व विधायक सत्यनारायण शर्मा सहित कई नेता मौजूद रहे।

शराब घोटाले मामले में शहर के दो कारोबारियों के यहां ईडी की टीम पहुंची

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हुए अब तक के सबसे बड़े शराब घोटाले मामले की पड़ताल जारी है,जहां पर किसी की गिरफ्तारी हुई और पूछताछ के बाद जानकारी मिली तो ईडी का शिकंजा संबंधित व्यक्ति तक कस जाता है। धनतेरस के दिन सुबह सुबह राजधानी रायपुर के दो कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी की टीम ने धावा बोला,तो शहर में फिर चर्चा छिड़ गई। अशोका रतन निवासी एक बार कारोबारी और सूर्या अपार्टमेंट कटोरातालाब में एक अन्य कारोबारी के ठिकाने में जांच चल रही है। छत्तीसगढ़ के साथ झारखंड को भी जोड़ दें तो छापे अधिकारी, कारोबारियों के दर्जन भर ठिकानों पर चल रहे हैं। इनमें झारखंड के पूर्व उत्पाद (आबकारी) सचिव आईएएस विनय चौबे, और संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह से जुड़े रांची और रायपुर के करीबी कारोबारी शामिल हैं।

उधर भिलाई कुम्हारी स्थित शराब कंपनी केडिया ग्रुप के उदय राव को भी घेरा गया है । राव, के बारे में पता चला है कि वह झारखंड में प्लेसमेंट कंपनी चलाता था। यह कंपनी, शराब दुकानों के लिए सेल्समेन, सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड जैसे कर्मचारी नियुक्ति करती थी,फिर शुरु होता था इन्ही के सहारे हेराफेरी का खेल।

जानकारों का कहना है कि नकली होलोग्राम बनाने वाली कंपनी प्रिज्म होलोग्राफिक प्राइवेट लिमिटेड के दो दिन पहले गिरफ्तार एकाउंटेंट से हुई पूछताछ के बाद यह छापेमारी की गई है।

यहां यह बताना भी जरूरी होगा कि शराब घोटाले का यह मामला छत्तीसगढ़ और झारखंड दोनों राज्यों से जुड़ा है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ के एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पिछले महीने सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसमें झारखंड के एक्साइज डिपार्टमेंट के तत्कालीन सचिव विनय चौबे और संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह सहित सात लोगों को आरोपी बनाया गया था। एफआईआर में कहा गया है इन लोगों ने मिलकर कथित तौर पर झारखंड की शराब नीति में हेरफेर की और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया।

पांच-पांच सौ के नकली नोटों के साथ आरोपी गिरफ्तार

कोंडागांव। फरसगांव थाना पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी में संलिप्त एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 500-500 रुपये के कुल 210 नकली नोट बरामद किए गए। इसकी कुल राशि 1.05 लाख रुपये है। इसके अतिरिक्त अपराध में प्रयुक्त एक नीले रंग की बिना नंबर की मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। 28 अक्टूबर 2024 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति लाल रंग के पीठ पर टांगे गए बैग में नकली नोट लेकर माकड़ी की ओर से फरसगांव आ रहा है। सूचना मिलते ही फरसगांव थाना की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए माकड़ी रोड पर पासंगी पुलिया के आगे नाकेबंदी कर दी।

थोड़ी देर बाद मुखबिर द्वारा बताए अनुसार नीले रंग की मोटरसाइकिल पर आता हुआ एक व्यक्ति दिखाई दिया, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर रोक लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजेश सोरी, पिता धन्नूराम सोरी, उम्र 32 वर्ष, जाति गोड़, निवासी गुहाबोरण्ड नयापारा, थाना फरसगांव, जिला कोण्डागांव बताया। पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली तो उसमें 500-500 रुपये के कुल 200 नकली नोट बरामद हुए। इसके बाद आरोपी ने अपने घर से भी 500-500 रुपये के 10 नकली नोट और बरामद कराए। आरोपी के पास कुल 1.05 लाख रुपये के नकली नोट पाए गए, जिसे वह खपाने की योजना बना रहा था। पर्याप्त सबूतों के आधार पर आरोपी को 28 अक्टूबर 2024 को शाम 5:30 बजे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत का मामला

कांग्रेस और एनएसयूआई ने मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री का फूंका पुतला

बलरामपुर रामानुजगंज। कोतवाली थाना में संदिग्ध परिस्थितियों में स्वास्थ्य कर्मचारी का शव मिला था। कांग्रेस नेताओं ने हत्या करार देते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए बर्खास्त की कार्रवाई करने की मांग की थी। पुलिस हिरासत में हुई मौत को लेकर

राज्य शासन के खिलाफ कांग्रेस एवं एनएसयूआई के द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुए लरंगसाय चौक पर मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री का पुतला दहन किया। साथ ही नारेबाजी करते हुए इस्तीफे की मांग की। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा, जिसके साथ झूमा-झटकी के बीच पुतला दहन किया गया। इस पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि जिस प्रकार से छत्तीसगढ़ में कानून व्यवस्था की स्थिति हो गई है निश्चित रूप से यह पूरे प्रदेश के लिए चिंता का विषय है। रोज घटनाएं हो रही हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। निश्चित रूप से यह राज्य सरकार की विफलता है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव प्रतीक सिंह ने कहा कि बलरामपुर में जिस प्रकार से घटना हुई वह निश्चित रूप से पुलिस के द्वारा आत्महत्या करार देने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। राज्य सरकार को तत्काल मजिस्ट्रेट जांच कराकर दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना चाहिए। इस दौरान डॉ. दिनेश यादव, व्यासमुनी यादव, नीरज गुप्ता, निशांत चौबे, गौतम सोनी, नसीम अंसारी, शिव शंकर सोनी, गौतम गुप्ता, रिजवान अंसारी, कृतिव्रत मंडल, टी एस यादव, मुबारक अंसारी सहित अधिक संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साय ने एसआई चयनित अभ्यर्थियों से की मुलाकात

रायपुर। दिवाली पर छत्तीसगढ़ एसआई रिजल्ट घोषित होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों की खुशियां दोगुनी हो गई है। परीक्षाफल घोषित होने से उत्साहित अभ्यर्थियों ने नवा रायपुर सर्किट हाउस में मख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की और उनका आभार जताया। चयनित अभ्यार्थियों में से लगभग 30 से 40 अभ्यर्थी इस अवसर पर मौजूद रहे। अभ्यर्थियों के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे। उन्होंने सीएम साय को फूलों की माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर खुशी जताई।

भिलाई से आई दुलारबाई देवांगन के नाती और नाती बहू का चयन एसआई भर्ती में होने से उन्होंने सीएम साय को अपने हाथों से मिठाई खिलाकर उनके प्रति आभार जताया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि लंबे

इंतजार के बाद उनके नाती तिलक देवांगन और नाती बहू भारती देवांगन का चयन हुआ है।

मुख्यमंत्री साय ने चयनित अभ्यार्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। सीएम ने कहा इस साल आप सबकी दीपावली अच्छी होगी। आप लोग अपने चयन की खुशियां मनाएं। दिवाली और राज्य स्थापना दिवस पर दीप जलाएं।

सीएम ने चयनित उपस्थित अभ्यर्थियों से कहा आप लोग बड़ी जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। जनता के रक्षक के रूप में आप पर जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। नक्सली चुनौती का सामना करने के साथ कानून और व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी आप पर है।

सीएम ने उम्मीद जताई कि प्रशिक्षण के बाद चयनित अभ्यर्थी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चयनित अभ्यर्थी चन्द्रखुरी पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में ज्वाईनिंग दे सकते हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड-कोरबा (छ.ग.)
Near Rotary Chowk, Dingapur, Korba (C.G.)
Toll Free No. 18002330008, E-mail: eekor-phe-cg@nic.in

ऑन लाईन निविदा आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ के राज्यपाल की ओर से जल जीवन मिशन अंतर्गत नलजल योजना के विभिन्न कार्यों के लिए प्रतिशत दर फार्म अ में निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा क्र.	दिनांक	सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा क्र.	दिनांक	सि.नि.क्र.	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
10	25-10-2024	160565 (2nd Call)	54.41	18	25-10-2024	160579 (1st Call)	64.47
11	25-10-2024	160567 (3rd Call)	3.84	19	25-10-2024	160582 (1st Call)	142.52
12	25-10-2024	160568 (1st Call)	83.78	20	25-10-2024	160583 (1st Call)	132.81
13	25-10-2024	160571 (1st Call)	81.56	21	25-10-2024	160584 (1st Call)	69.81
14	25-10-2024	160572 (1st Call)	83.73	22	25-10-2024	160585 (1st Call)	64.38
15	25-10-2024	160574 (1st Call)	74.18	23	25-10-2024	160586 (1st Call)	101.46
16	25-10-2024	160577 (1st Call)	69.47	24	25-10-2024	160587 (1st Call)	77.02
17	25-10-2024	160578 (1st Call)	54.67				

निविदा एवं कार्य का विस्तृत विवरण यथा धरोहर राशि, बिड वैद्यता की तिथि, कार्य की अवधि, निविदाकार की श्रेणी, एवं कार्यों तथा स्थल संबंधी जानकारी ऑन लाईन ई-प्रोक्यूरमेंट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 28.10.2024 से 05.11.2024 समय 05.30 बजे तक देखी एवं बिड डाली जा सकती है। निविदा में आगामी संशोधन पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किये जावेगे। अत: निविदाकार ऑन लाईन निविदा प्रक्रिया में सतत् संपर्क में रहे। अन्य विवरण कार्यालयीन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड कोरबा में देखे जा सकते है।

कार्यपालन अभियंता
लोक, स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
खण्ड-कोरबा (छ.ग.)

जी-242503496/9

देश में रेवड़ी कल्चर पर कैसे लगे लगाम

उमेश चतुर्वेदी

सत्ता पर निशाना साधने के लिए मौजूदा राजनीति को सबसे बड़ा हथियार चुनावी रेवड़ियां नजर आ रही हैं। दिलचस्प है कि हर दल इस रेवड़ी के हथियार को आजमा भी रहा है और इसके लिए अपने विपक्षी की आलोचना भी कर रहा है। महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावी प्रक्रिया परवान चढ़ रही है। सियासी दलों की ओर से कई वायदे किए जा चुके हैं। बावजूद इसके, चुनावों के बीच भी किसी दल को लगा कि वह पिछड़ रहा है और किसी खास वायदे से किसी विशेष समुदाय का ठोस वोट बैंक उसके साथ आ सकता है तो उसके लिए किसी नई रेवड़ी का वायदा भी बेहिचक कर देगा। इसमें दो राय नहीं कि राजनीतिक दल चाहें तो सत्ता में आने के बाद की आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर इस परिपाटी पर लगाम लगा सकते हैं। लेकिन आज जिस तरह का अविश्वास भरा राजनीतिक माहौल है, उसमें राजनीतिक दलों से ऐसे मामले में एक राय पर पहुंचने की उम्मीद भी दूर की कौड़ी लगती है। 2023 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को लेकर शायद ही किसी राजनीतिक पंडित ने भाजपा की पांचवीं बार सत्ता में वापसी की उम्मीद जताई थी। लेकिन भाजपा ना सिर्फ सत्ता में लौटी, बल्कि धूम-धड़ाके से उसकी वापसी हुई। जीत का कारण 'लाड़ली बहना योजना' को माना गया, जिसे राज्य की संस्कारधानी कहे जाने वाले शहर जबलपुर में 10 जून 2023 को शिवराज सिंह चौहान ने शुरू किया था। इसके तहत राज्य की इक्कीस साल से ज्यादा उम्र वाली योग्य महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की राशि सरकार की ओर से दी जा रही है। पहले से कर्ज में डूबे मध्य प्रदेश ने इस योजना के मद में साल 2024 के लिए 18 हजार 984 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मध्य प्रदेश पर 31 मार्च, 2024 तक 3.75 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। माना जा रहा है कि कुछ नए कर्जों के चलते यह रकम बढ़कर 3.85 लाख करोड़ रुपये हो गई है। मध्य प्रदेश की यह योजना चुनावी रूप से इतनी हिट मानी गई कि इसी तर्ज पर महाराष्ट्र भी मुख्यमंत्री माझी लड़की बहीण योजना शुरू कर चुका है। इसके तहत 21 से 65 साल की महिलाओं को हर महीने डेढ़ हजार रुपये की आर्थिक मदद शुरू हो गई है। राज्य में इस योजना के लिए 46 हजार करोड़ रुपये सालाना का बजट आवंटित किया गया है। यहां जान लेना चाहिए कि महाराष्ट्र सरकार ने साल 2023-24 में 82 हजार 43 करोड़ रुपये का उधार लिया, जिसकी वजह से उसका कुल कर्ज बढ़कर 7.11 लाख करोड़ रुपये हो गया है। झारखंड में भी चुनाव की घोषणा के ठीक पहले राज्य सरकार 'मुख्यमंत्री माई सम्मान योजना' शुरू कर चुकी है, जिसके तहत महिलाओं को हर महीने अब 2500 रुपये देने का वायदा किया गया है। इससे राज्य पर 9000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ बढ़ने की आशंका है। इसे भाजपा की 'गोगो दीदी योजना' का जवाब कहा जा रहा है, जिसके तहत भाजपा ने सत्ता में वापसी पर 18 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये देने का वायदा किया है। ये वायदे उस झारखंड में किए जा रहे हैं, जिस पर दिसंबर 2023 तक ही 25 हज़ार करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज था। पांच गारंटियों के सहारे कर्नाटक की सत्ता में लौटी कांग्रेस की परेशानियां काफी बढ़ गई हैं। यह बात और है कि खुले रूप में वह इसे स्वीकार नहीं कर पा रही है। राज्य पर सालाना 53 हजार करोड़ का बोझ बढ़ गया है। कुछ ऐसा ही हाल हिमाचल प्रदेश और पंजाब का भी है। इन राज्यों के मौजूदा सत्ताधारी दलों को सत्ता ऐसी ही चुनावी रेवड़ियों की बदौलत मिली है। वक्त आ गया है कि मुफ्त के चुनावी उपहार और रेवड़ियां बांटने के चलन पर लगाम लगाई जाए। बेहतर होता कि खुद राजनीतिक दल आपसी विचार-विमर्श के बाद एक राय बनाते। लेकिन चूंकि इसकी कोई संभावना नहीं लग रही, इसलिए अन्य संवैधानिक संस्थाओं को ही पहल करनी होगी। इस संदर्भ में यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अपने यहां जितने भी चुनाव सुधार हुए हैं उनके पीछे प्रायः सुप्रीम कोर्ट के आदेश और चुनाव आयोग की गाइडलाइन की ही भूमिका रही है। ऐसे में यह तथ्य महत्वपूर्ण हो जाता है कि चुनावी रेवड़ी, मुफ्त उपहार आदि के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट इसी महीने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर चुका है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट पहले भी चुनाव आयोग से मुफ्त उपहारों और रेवड़ी आदि पर रोक लगाने के लिए कह चुका है। चुनाव आयोग अधिकार ना होने का हवाला देते हुए ऐसी किसी पहल से मुंह मोड़ता रहा है। उम्मीद है कि इस बार सर्वोच्च अदालत मुफ्त उपहार के वायदों के बीच की महीन रेखा को परिभाषित करने का भी काम करेगी।

क्या भारत के प्रति चीनी रुख बदलने की वजह ट्रंप है?

शंकर अय्यर

बीजिंग में रात के आठ, नई दिल्ली में शाम के साढ़े पांच, रूस के कजान में दोपहर के तीन और वाशिंगटन डीसी में सुबह के आठ बज रहे थे। दुनिया भर के लोग दम साधे अपनी नजर टीवी स्क्रीन पर गड़ाए हुए थे, क्योंकि दुनिया की एक तिहाई आबादी वाले दो देशों के नेता इस क्षण आपस में मिल रहे थे। चीन की विस्तारवादी नीति के कारण पांच वर्षों तक चले विवाद के बाद पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच पहली बार द्विपक्षीय बैठक हुई। यह आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी कि यह समझौता लंबे समय तक चलेगा या नहीं, हालांकि दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त लगाने पर सहमति जताई है और तनाव कम करने की बात कही है।

बड़ा सवाल यह है कि चीन के नजरिये में बदलाव की वजह क्या है, खासकर इसलिए कि यह समझौता चार साल से ज्यादा समय से खटाई में पड़ा हुआ था। इसका जवाब मौजूदा परिस्थितियों में निहित है। चीनी अर्थव्यवस्था में गिरावट के साथ-साथ ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने की संभावना भी बढ़ गई है। चीन के लिए ट्रंप 2.0 का जोखिम वास्तविक है।

वर्ष 2021 में कोविड खत्म होने के बाद से चीन का सकल घरेलू उत्पाद 7.9 प्रतिशत को पार नहीं कर पाया है, जो वर्ष 2012 में शी जिनपिंग के सत्ता संभालने के वर्ष दर्ज किया गया था। आंकड़े बताते हैं कि इस साल के पहले नौ महीने में चीन की अर्थव्यवस्था 4.8 फीसदी की दर से बढ़ रही है और तीसरी तिमाही की विकास दर पिछली छह तिमाहियों में सबसे सुस्त है। बुजुर्ग होती आबादी, बचत में कमी और रियल एस्टेट की बदहाली ने खपत और युवा रोजगार को प्रभावित किया है।

इस हफ्ते 32 लाख चीनी युवाओं ने 39,700 सरकारी पदों के लिए आवेदन किया है। उम्मीदें देश की विनिर्माण क्षमता पर टिकी हैं, जो इसकी जीडीपी में एक चौथाई का योगदान करती है। लेकिन इसका फायदा उठाने के लिए चीन को बाजार की जरूरत है।

वर्ष 2023-24 में चीन से भारत के आयात का बिल 101 अरब डॉलर था। ट्रंप ने शिकागो इकनॉमिक क्लब में कहा कि शब्दकोश में सबसे खूबसूरत शब्द है 'टैरिफ'। उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आकार का लाभ उठाने और सभी अमेरिकी आयातों पर 10-20 प्रतिशत टैरिफ लगाने और सभी चीनी आयातों पर 60 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना बनाई है। वर्ष 2023 में, अमेरिकी आयात का कुल मूल्य 33.5 खरब डॉलर था, जिसमें से चीन का हिस्सा 47 अरब प्रति माह या लगभग 550 अरब डॉलर था। चीन पहले से ही भारी टैरिफ का सामना कर रहा है, और निवेश पर निगरानी व अमेरिका के दोनों दलों की मजबूत नाराजगी तथा पीड़ा का निशाना बना हुआ है।

चीन द्वारा बाजारों पर कब्जा करने के लिए निवेश और फैक्टरियों को स्थानांतरित करने का छद्म तरीका अब कोई रहस्य नहीं रहा है। अमेरिका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के रूप में मेक्सिको के उदय ने उसके दक्षिणी पड़ोसी की निगरानी बढ़ा दी है, जिसने चीनी कंपनियों तक से निवेश आकर्षित किया है। ट्रंप ने मेक्सिको में बनी कार पर 200 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है, हालांकि अमेरिका पहले से ही मेक्सिको से ऑटोमोटिव आयात की समीक्षा कर रहा है। टैरिफ का शिकंजा कसने के मामले में ट्रंप ने किसी को नहीं बख्शा है। उसने भारत को 'सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाला' बताकर पारस्परिक कार्रवाई की कसम खाई है और जापानी निप्पॉन स्टील द्वारा यूएस स्टील के अधिग्रहण को रोकने का संकल्प लिया है। ट्रंप ने 'यूरोपीय संघ' से भी टैरिफ के लिए तैयार रहने को कहा है, जिसने वर्ष 2023 में अमेरिकी आयात में 542 अरब डॉलर का योगदान दिया। जैसा कि अनुमान था, इसने पूरे यूरोप में हलचल मचा दी, विशेष रूप से जर्मनी और फ्रांस में। ट्रंप ने शिकागो में आलोचना, थिंक टैंकों के अध्ययनों और विश्व अर्थव्यवस्था में संकुचन की आईएमएफ की चेतावनियों को बड़ी ही बेबाकी से खारिज कर दिया है। ट्रंप की संभावित वापसी के चलते जोखिमों से बचने के लिए विभिन्न देशों ने व्यापार-संतुलन एवं पूर्व-निवारक कदमों की खोज शुरू कर दी है। पिछले महीने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए ट्रंप की योजनाओं को समझने की खातिर समय मांगा था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी अमेरिका और ब्रिटेन के बीच विशेष संबंधों को रेखांकित करने के लिए उनसे मिलना चाहते थे, जो सफल नहीं हुआ, क्योंकि ट्रंप की टीम ने स्टार्मर की लेबर पार्टी के खिलाफ एक असाधारण शिकायत दर्ज करके अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में 'हस्तक्षेप' का आरोप लगाया है। इस सप्ताह जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली में थे। ताइवान के अस्तित्व का सवाल चीन के युद्ध अभ्यास के बाद सामने आया है, जिसे ताइवान के इर्द-गिर्द 'अजगर रणनीति' बताया गया है। इसके जवाब में अमेरिका ने ताइवान के जलडमरूमध्य में एक युद्धपोत भेजा, जबकि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने चेतावनी दी कि अगर ट्रंप जीतते हैं, तो संभवतः ताइवान खत्म हो सकता है, जो दर्शाता है कि चीन अगर आगे बढ़ता है, तो ताइवान को खुद की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया जाएगा।

ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति चुने जाने की संभावना ने जोखिम उठाने को भी बढ़ावा दिया है। कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि रूस ने यूक्रेन में लड़ने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों को शामिल किया है, हालांकि इनकी निर्णायक रूप से न तो पुष्टि हो पाई है और न खारिज किया गया है। पश्चिम एशिया और यूरोप में यह साफ है कि शांति और शांति की रूपरेखा तैयार करने के लिए अगले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का इंतजार किया जा रहा है। युद्धरत देश ट्रंप की वापसी पर दांव लगा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का नतीजा पांच नवंबर के बाद ही पता चलेगा। इस हफ्ते सीएनएन ने एक सर्वेक्षण में पाया गया कि अंतिम चरण में लड़ाई बराबरी पर है, ज्यादातर सर्वेक्षणों में पाया गया कि टक्कर कांटे की है। चाहे जो भी कारण हो, अमेरिका के बाहर ट्रंप को लेकर आम सहमति है। वर्ष 2016 में चर्चा थी कि ट्रंप को वास्तविक रूप से लिया जाना चाहिए या गंभीरता से, लेकिन इस वर्ष ऐसा लग रहा है कि ट्रंप को वास्तविक और गंभीरता, दोनों रूप से लिया जा रहा है।

एकात्मता के स्वर

काल

हमारे महापुरुषों ने आज से हजारों वर्ष पूर्व ही काल (समय) को जान लिया था। महाभारत के शांतिपर्व में शुकदेव के पूछने पर व्यास जी ने बताया कि पन्द्रह निमेष की एक काष्ठा, तीस काष्ठा की एक कला, तीस कला का एक मुहूर्त, तीस कला और तीन काष्ठा का एक मुहूर्त तीस मुहूत्त, का एक दिन-रात होता है। तीस दिन-रात का एक मास और बारह मासों का एक संवत्सर बताया गया है। छह माह उत्तरायन, छह माह दक्षिणायन से एक वर्ष बनता है। मनुष्यों के शुक्लपक्ष के पन्द्रह दिन का पितरों का एक दिन व कृष्णपक्ष के पन्द्रह दिन उनकी रात्रि होती है।

मनुष्यों के छह माह उत्तरायन देवताओं का एक दिन है व छह माह दक्षिणायन यह उनकी रात्रि। मनुष्य के एक वर्ष में देवताओं का एक दिन-रात होता है। श्रीमद्भागवत में विदुर जी के पूछने पर मैत्रेयी जी काष्ठा का वर्णन करते हुए कहती हैं, दो परमाणु का एक अणु, तीन अणु का एक त्रसरेणु, तीन त्रसरेणु की एक त्रुटि, एक सौ त्रुटि का एक वेध, तीन वेध का एक लव, तीन लव का एक निमेष, तीन निमेष का एक क्षण, पांच क्षण की एक काष्ठा, पन्द्रह काष्ठा का एक लघु, पन्द्रह लघु की एक नाडिका, दो नाडिका का एक मुर्हत होता है। दिन के घटने-बढ़ने के अनुसार (दिन एवं रात्रि की दोनों सन्धियों के दो मुहूर्त को छोड़कर) छह या सात नाडिका का एक प्रहर होता है इसे याम भी कहते हैं। इसी प्रकार चार प्रहर का दिन व चार प्रहर की रात्रि जानो। इस प्रकार संवत्सरशतं नृणां पर मायुर्निरूपितम्। ऐसे एक सौ वर्ष की मनुष्य की परम आयु बतायी गयी है। चार युगों में कलियुग की आयु चार लाख बत्तीस हजार वर्ष, द्वापरयुग आठ लाख चौसठ हजार वर्ष, त्रेतायुग की बारह लाख छियानवे हजार वर्ष व सतयुग की सत्रह लाख अट्ठाईस हजार वर्ष की आयु कही गयी है। चारों युगों की एक चतुर्युगी व इकहत्तर चतुर्युगी का एक मन्वन्तर और चौदह मन्वन्तर का एक कल्प होता है। एक कल्प ब्रह्मा का दिन व उतनी बड़ी रात्रि होती है। इस प्रकार की आयु से ब्रह्मा की सौ वर्ष की आयु होती है। जब ब्रह्मा मरता है तब विष्णु का एक निमेष होता है। उसके बाद कालरूप शिव का काल प्रारंभ होता है जो अनन्त है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

इसीलिये वर्तमान पुराणों में सर्वप्रथम एक ही पुराण का अस्तित्व प्रकट किया गया है, यथाः - पुराणमेकमेवासीत्पुरा कल्पान्तरे नृप। त्रिवर्गसाधनं पुण्यं शतकोटिप्रविस्तरम्।।

(मत्स्य 53।5) अर्थात्- कल्पान्तर में त्रिवर्ग का साधन और पुण्यदायक एक अब विस्तार वाला एक ही पुराण था। यही श्लोक रेवा-माहात्म्य (1।23।30) में तथा पद्मपुराण (सृष्टि खण्ड अध्याय 1) में इसी रूप में उपलब्ध होता है, अन्यान्य पुराणों में भी इसी आशय के श्लोक पाए जाते हैं।

विकीर्ण श्रुतियें कितनी थीं, इसका अनुमान करना कठिन है, क्योंकि इस सम्बन्ध में दो प्रकार का प्रवाद पाया जाता है; एक शतपंथ ब्राह्मण में, दूसरा महाभारत में, यथाः -

(1) ते सर्वे त्रयो वेदाः। दश च सहस्राणि अष्टौ च शतानि अशीतीनामभवन्। (शतपथ 10।4।2।25)

(2) लक्षं तु चतुरो वेदा लक्षमेकं तु भारतम्।। (महाभारत) अर्थात् (1) वे सब तीनों वेद, अस्सी से गुणित किये दशहजार आठ सौ संख्या वाले हैं, यानी 864000 प्रमाणः वाले हैं।

(2) चारों वेदों का पाठ एक लाख है और एक लाख ही महाभारत का है।

यहां महाभारत के साहचर्य से वेदों का एक लाख पाठ भी अनुष्टुप् संख्या में ही प्रतीत होता है, परन्तु शतपथ के कथनानुसार आठ लाख चौंसठ हजार कौन पद्य हैं यह समझना और दोनों प्रवादों का वर्तमान संख्या से समन्वय करना विद्वानों का ही काम है। प्रकृत-वर्णन के साथ इस विधान का सीधा सम्बन्ध न होने के कारण हम अपनी सम्मति प्रकट कतने के लिये यहाँ बाध्य नहीं हैं, परन्तु वर्तमान पुराणों की मौलिक सामग्री का प्रमाण एक अर्ब था यह उपर्युक्त प्रमाणों से भलीभांति अभिव्यक्त होता है।

क्रमशः ...

कुशल वैज्ञानिक एवं आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा थे डॉ. होमी जहांगीर भाभा

भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के शिल्पकार होमी जहांगीर भाभा प्रसिद्ध वैज्ञानिक तथा स्वप्नदृष्टा थे। उनके प्रयत्नों के परिणामस्वरूप ही भारत आज परमाणु सम्पन्न देशों में शामिल है। आज उस महान वैज्ञानिक का जन्मदिन है।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी होमी जहांगीर भाभा का जन्म 30 अक्टूबर 1909 में हुआ था। भाभा का जन्म मुम्बई के एक समृद्ध परिवार में हुआ था। इनकी प्रारम्भिक पढ़ाई मुम्बई के कैथड्रल और जॉन केनन स्कूल से हुई थी। उसके बाद उन्होंने एल्फिस्टन कॉलेज मुंबई और रोयाल इंस्टीट्यूट ऑफ से विज्ञान में स्नातक परीक्षा पास की। उसके बाद भाभा साल 1927 में इंग्लैंड के कैअस कॉलेज, कैंब्रिज विश्वविद्यालय में आगे की पढ़ाई के लिए गए। 1934 में उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उन्होंने डाक्टरेट की उपाधि हासिल की।

इसके बाद वह रिसर्च के कार्य में व्यस्त रहे। उन्होंने जर्मनी में रहकर कास्मिक किरणों पर रिसर्च किया। घरवालों की इच्छा का ख्याल रखते हुए उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई तो जरूर की लेकिन अपने पसंदीदा विषय भौतिक विज्ञान में भी अध्ययन करते रहे। फिजिक्स में उन्हें से

खास लगाव था। नाभिकीय विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने के कारण उन्हें आर्किटेक्ट ऑफ इंडियन एटॉमिक एनर्जी प्रोग्राम भी कहा जाता है। उन्होंने भारत में 1945 में मूलभूत विज्ञान में उत्कृष्टता के केंद्र टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की स्थापना की। उन्हें 1947 में भारत सरकार द्वारा गठित परमाणु ऊर्जा आयोग के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 1953 में जेनेवा में हुए विश्व परमाणुविक वैज्ञानिकों के महासम्मेलन में उन्हें सभापति बनाया गया ।

होमी जहांगीर भाभा को शास्त्रीय संगीत के पाश्चात्य संगीत भी बहुत पसंद था। उन्हें घर को सजाने की भी अच्छी जानकारी थी। साथ ही होमी जहांगीर भाभा बहुत मिलनसार और बातूनी थे। इसके अलावा उन्हें खाने का भी बहुत शौक थे। खाने में उन्हें विविध प्रकार के भारतीय तथा पाश्चात्य शैली के भोजन करना पसंद था।

डॉ होमी जहांगीर भाभा ने अपने कार्यस्थल पर न केवल वैज्ञानिक की बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारियों का भी बेहतर तरीके से निर्वहन किया। टीआईएफआर की इमारत बनाने की स्थायी जिम्मेदारी भी उन्होंने अपने ऊपर ले ली। इस इमारत को बनाने के लिए अमेरिका के प्रसिद्ध वास्तुकार को भारत बुलाया। 1954 में इस इमारत की नींव नेहरू जी ने रखी और 1962 में इमारत पूरी होने के बाद नेहरू जी द्वारा ही उदघाटन करवाया गया।

प्रतिभावान और मिलनसार होमी जहांगीर भाभा का अचानकर सन 1966 में निधन हो गया था। उनका निधन एक दुर्घटना में हुआ था जिसने देश को बहुत क्षति पहुंचाई। भारत को उनकी मृत्यु से जो आघात लगा उसकी भरपायी मुश्किल है। उनके द्वारा किए गए अनुसंधान के कारण ही देश में परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम अनवरत विकास के रास्ते पर चल रहा है। डॉ. भाभा के उल्लेखनीय कार्यों को सम्मानित करने हेतु तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी जी ने परमाणु ऊर्जा संस्थान, ट्रॉम्बे का नाम डॉ. भाभा के नाम पर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र रखा।

खतरनाक मोड़ पर भारत और कनाडा के रिश्ते ?

राजेश बादल

कनाडा ने भारत से टकराव की जो राह चुनी है, वह संबंधों को टूट के कगार पर ले जा रही है। इस सियासी हवन में रिश्तों की बलि चढ़ चुकी है। कनाडा जिस बिंदु पर आकर खड़ा हो गया है, वहां से उसके लौटने की कोई संभावना नहीं है। जस्टिन ट्रूडो की अगले साल अक्तूबर में होने वाले निर्वाचन में करारी शिकस्त ही अब रिश्तों की डोर को टूटने से बचा सकती है। ट्रूडो ने सिखों की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी को प्रसन्न रखने के लिए ही इस रास्ते का चुनाव किया है। पर, वे इसके दूरगामी गंभीर परिणामों को नहीं समझ रहे हैं। उनकी भूल उनके ही मुल्क के लिए अनेक दुश्वारियां खड़ी कर सकती है।

यहां तक कि वे भारत के साथ अतीत के अध्यायों को भी भूल जाना चाहते हैं। चंद रोज पहले एक भरोसेमंद सर्वेक्षण में वे सिर्फ 23 फीसदी मतदाताओं के समर्थन पर खड़े दिखाई दे रहे हैं और यह आंकड़ा उन्हें अगली पारी खेलने की इजाजत नहीं देता। उनकी अपनी लिबरल पार्टी में ही जबरदस्त विरोध के कारण ट्रूडो ने अपनी मुश्किलें और बढ़ा ली हैं।

पार्टी के दो दर्जन सांसदों ने बीते दिनों ट्रूडो से इस्तीफा मांगा था, जिसे प्रधानमंत्री ने ठुकरा दिया था। इसके बाद जस्टिन ट्रूडो अपने ही घर में पराए हो गए हैं। वे कनाडा की मुख्य समस्याओं से निपटने में नाकाम रहे हैं। अपने कार्यकाल में उपलब्धियों के नाम पर देशवासियों को बताने के लिए उनके पास कुछ नहीं है। लंबे समय से अपने पिछलग्गू देश की मदद खुद अमेरिका भी इन दिनों नहीं कर सकता।

कारण यह कि अमेरिका स्वयं अपने भीतर आग की लपटों से घिरा हुआ है। वहां न तो डोनाल्ड ट्रम्प के साथ उनके संबंध अच्छे हैं और न ही कमला

हैरिस उन्हें पसंद करती हैं। इस हाल में उनके लिए पाने को कुछ नहीं है। जो भी है, खोना ही खोना है। आगे बढ़ने से पहले इतिहास के एक पुराने अध्याय के पन्ने पलटना बेहतर होगा।

इससे दोनों देशों की सियासत के मौजूदा बिगड़े मिजाज को समझने में सहायता मिलेगी। यह बात लगभग 110 साल पुरानी है। भारत तब गुलाम था और कनाडा अंग्रेजों का पिट्ठू था। तब हिंदुस्तान के क्रांतिकारियों और गदर पार्टी के नेताओं ने भारत की सभी फौजी छावनियों में सशस्त्र विद्रोह की योजना बनाई थी।

तमाम देशों में बिखरे करीब 8000 क्रांतिकारी जहाजों से भरकर चुपचाप हिंदुस्तान पहुंचे थे। ऐसा ही एक जहाज कामागाटामारू गदर पार्टी के बाबा गुरदित्त सिंह ने ठेके पर लिया था। इस पर स्वतंत्रता सेनानियों के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग थे। इनकी कुल संख्या 376 थी। इन देशभक्तों को लेकर जहाज समंदर के रास्ते कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया तट पर पहुंचा।

इनमें 340 सिख, 24 मुसलमान, 12 हिंदू और कुछ गोरे थे। 23 मई, 1914 को वैंकुवर बंदरगाह पर जहाज पहुंचा तो उसे दो महीने तक वहीं खड़ा रखा गया। कनाडा सरकार ने भारतीयों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी। बीमारी, भूख और अन्य परेशानियों के चलते अनेक भारतीयों ने दम तोड़ दिया। पर कनाडा नहीं पसीजा।

इसके सौ साल बाद जस्टिन ट्रूडो जब सिखों और भारतीयों के समर्थन से प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने बाकायदा कनाडा की संसद में 20 मई 1916 को भारत से इस 101 साल पुरानी घटना के लिए कनाडा की ओर से माफी मांगी। विश्व इतिहास में ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। उस समय जस्टिन ट्रूडो की इस भूमिका को लगभग सभी हिंदुस्तानियों ने सराहा था।

इसके बाद उन्होंने अगले चुनाव में भारतीयों की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थन से सरकार बनाई। उनकी लोकप्रियता का ग्राफ गिरा था और उनके दल को बहुमत नहीं मिला था। इस आलेख में कामागाटामारू प्रसंग का उल्लेख इसीलिए जरूरी था क्योंकि 2024 में जस्टिन ट्रूडो का एक नया रूप भारतीय देख रहे हैं।

जब वे 2016 में भारत से अपने देश की तरफ से माफी मांगते हैं तो भारत को उनकी मंशा में सदाशयता दिखाई देती है। लेकिन जब वे 2024 में हिंदुस्तान को धमकाने की मुद्रा में हैं तो वे भारत के अलगाववादियों के दबाव में नजर आते हैं। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी पर इन दिनों सिख अलगाववादियों का प्रभुत्व है। यह पार्टी उन्हें समर्थन देने के बदले भारत विरोध को हवा दे रही है।

अब दो ही बातें हो सकती हैं-एक तो यह कि ट्रूडो भारत के सिख अलगाववादियों को सहयोग देने की अपने देश की पुरानी विदेश नीति की राह पर चल पड़े हैं। उनके पिता पियरे ट्रूडो भी सिख अलगाववादियों को समर्थन देते थे। इस काम में अमेरिका की भूमिका भी परदे के पीछे से नजर आती है। कनाडा अमेरिका से किसी भी कीमत पर रिश्ते नहीं बिगाड़ सकता।

इसका एक अर्थ यह भी है कि पश्चिम के राष्ट्र एशिया में ब्रिक्स को मजबूत होते नहीं देखना चाहते। भारत, चीन और रूस का कोई गठबंधन उन्हें रास नहीं आ रहा है। दूसरा अर्थ यह निकलता है कि जस्टिन किसी भी सूरत में चुनाव जीतना चाहते हैं। यदि भारतीय मूल के सिख मतदाताओं के समर्थन से वे एक बार फिर प्रधानमंत्री बनते हैं (जिसकी संभावना क्षीण है) तो भारत से संबंध सुधारने के लिए पूरा कार्यकाल रहेगा।

परंतु वे नहीं समझ रहे हैं कि तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। कनाडा की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भारत से शैक्षणिक संसार का सहयोग बहुत मायने रखता है। यदि यह सहयोग चटक गया तो कनाडा के लिए संभलना बेहद कठिन हो जाएगा। इसके अलावा पंजाब से जमीनें बेचकर कनाडा बस रहे सिखों का योगदान भी कम नहीं है।

सारे सिख अलगाववादी नहीं हैं। अगर ट्रूडो अलगाववादियों का खिलौना बन गए तो कनाडा में नई समस्याएं खड़ी हो जाएंगी। उनसे निपटना ट्रूडो के लिए आसान नहीं होगा। कुल मिलकर ट्रूडो एक ऐसे रास्ते पर जा रहे हैं, जिस पर उनके लिए खतरे ही खतरे हैं।

आज का इतिहास

1925 पहली बार लंदन में टेलिविजन ट्रांसमिशन हुआ।
1938 अंग्रेजी लेखक एच। जी। वेल्स के विज्ञान कथा उपन्यास पर आधारित रेडियो नाटक द वार ऑफ़ द वर्ल्ड्स ने संयुक्त राज्य अमेरिका में कई श्रोताओं को भयभीत कर दिया कि एक वास्तविक मार्टियन आक्रमण में प्रगति हुई थी।
1942 द्वितीय विश्व युद्ध के ब्रिटिश नाविक जर्मन पनडुब्बी -559 में सवार हो गए क्योंकि यह डूब गया था और क्रिप्टोग्राफिक सामग्रियों को पुनः प्राप्त कर लिया था, जो एनगमा कोड को तोड़ने के लिए महत्वपूर्ण थे।
1960 सर माइकल वुडरफ ने ब्रिटेन के अस्पताल में पहली बार किसी जिंदा इंसान के शरीर से किडनी का प्रत्यारोपण किया गया।
1961 सोवियत संघ द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा बम विस्फोट किया गया है, जो परमाणु बम की तुलना में लगभग 4,000 गुना अधिक शक्तिशाली है, 1945 में हिरोशिमा पर गिरा दिया गया था।
1961 सोवियत हाइड्रोजन बम ज़ार बोमा, सबसे बड़ा परमाणु वेनवर, जो एक परीक्षण के रूप में आर्कटिकऑन में नोवाया जेमल्या द्वीप पर स्थापित किया गया था।
1965 अंग्रेजी मॉडल जीन श्रीम्पटन ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के फ्लेमिंगटन रेसकोर्स में डर्बी डे को एक विवादास्पद रूप से लघु-शस्त्र पहना था, जो महिलाओं के फैशन के लिए मिनीस्कर्ट की शुरुआत का एक महत्वपूर्ण क्षण था।
1973 इस्तांबुल के 1,510 मीटर (4,950 फीट) लंबे बोस्फोरस ब्रिज का निर्माण किया गया था, जो यूरोप और एशिया के महाद्वीपों को जोड़ने वाला था।
1975 स्पेन में किंग जुआन कारलोस ने सत्ता संभाली।
1983 राउल अल्फोंसिन सैन्यशक्ति के अंत के बाद पहली बार लोकतांत्रिक चुनाव के बाद अर्जेंटीना के राष्ट्रपति बने।
1983 जैसे ही सैन्य तानाशाही समाप्त हुई, एक दशक में अर्जेंटीना का पहला अलोकतांत्रिक चुनाव हुआ जिसके परिणामस्वरूप राउल अल्फोंसिन को अर्जेंटीना का राष्ट्रपति चुना गया।
1991 मध्य पूर्व शांति सम्मेलन मैड्रिड में शुरू होता है। यह पहली बार है जब इज़राइल अपने सभी अरब पड़ोसियों सहित फिलिस्तीनियों के साथ मध्य पूर्व के लिए एक शांति योजना के बारे में चर्चा कर रहा है।

सीमा से सैनिकों की वापसी- क्या पिघलने लगी भारत और चीन के बीच रिश्तों की बर्फ

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में वैश्विक स्तर की गम्भीर समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय हैं। प्रत्येक वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। युद्ध व आतंकवाद के कारण अशांत विश्व की दृष्टि अब वैश्विक शांति की स्थापना के लिए भारत की ओर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके लिए संकल्पवान हैं। प्रधानमंत्री मोदी रूस -यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल-अरब के बीच चल रहे तनाव को कम करने के लिए नेताओं के संपर्क में हैं। तीसरी बार पद सँभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी दो बार रूस की यात्रा पर जा चुके हैं। 2024 लोकसभा चुनावों के पूर्व ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भारत और रूस के मध्य संबंधों में कुछ खटास आ रही है लेकिन रूस के कजान शहर में आयोजित ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के मध्य मैत्रीपूर्ण व्यवहार व वार्ता को देखकर राजनैतिक विश्लेषक आश्चर्यचकित रह गये।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पूरे विश्व की दृष्टि भारत के प्रधानमंत्री मोदी व चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के मध्य होने वाली द्विपक्षीय वार्ता पर थी क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को हल करने के लिए सहमति बन गई थी। भारत और चीन के शासनाध्यक्षों के मध्य यह वार्ता गलवान दुर्घटना के लम्बे अंतराल के हुयी जिससे लगा कि अब भारत और चीन के मध्य जमी बर्फ अब पिघल रही है।

दोनों शासनाध्यक्षों की भेंट के बाद यह समाचार भी आ गया है कि भारत और चीन के मध्य हुए समझौते के अनुसार पूर्वी लद्दाख सेक्टर में डेमचोक और देपसांग से भारत और चीन के सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है। यह भारत की बड़ी रणनीतिक, कूटनीतिक और सामरिक जीत है। डेमचोक में दोनों सेनाओं ने पांच -पांच टेंट हटा लिये हैं तथा यह प्रक्रिया लगातार जारी है। एक बार जब सभी टेंट और अस्थायी ढांचे पूरी तरह से हटा दिये जाऐंगे तब एक संयुक्त सत्यापन प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। सत्यापन जमीन पर और हवाई सर्वेक्षण दोनों के माध्यम से किया जाएगा। प्रारम्भिक आपरेशन के अंतर्गत डेमचोक में भारतीय सैनिक चार्डिंग नाला के पश्चिमी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं और चीनी सैनिक नाला के पूर्वी हिस्से की ओर पीछे हट रहे हैं।दोनों तरफ करीब 10 से 12 अस्थायी ढांचे और करीब 12 तंबू बने हुए हैं जिन्हें हटाया जा रहा है। देपसांग इलाके में चीन ने अपने सैनिकों व वाहनों की संख्या काफी कम कर दी है और भारतीय सेना ने भी अपने सैनिक वहां से कम कर दिये हैं।

ताजा घटनाक्रम को लेकर चीन का वक्तव्य भी आ गया है कि भारत- चीन सीमा पर तनाव कम हो जाने के बाद लद्दाख में सैनिकों की वापसी आरम्भ हो गई है । इस

वक्तव्य में कहा गया हे कि दोनों पक्षों की अग्रिम पंक्ति की टुकड़ियाँ सुचारू रूप से प्रासंगिक कार्य कर रही हैं, जो लंबे समय से चली आ रही गतिरोध चर्चाओं के बाद तनाव कम करने की शुरूआत है। ज्ञातव्य है कि ब्रिक्स सम्मेलन के पूर्व ही कई दौर की वार्ता होने के बाद भारत के साथ सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में सहमति बनी थी अब वही सहमति धरातल पर उतारी जा रही है। यदि यह कार्य इसी प्रकार चलता रहा तो पूर्वी लद्दाख में मई 2020 के पूर्व की स्थिति वापस आ जाएगी।

भारत और चीन के मध्य जो समझौता हुआ है उसके अनुसार पेट्रोलिंग को लेकर भी व्यापक सहमति बन गई है। अब सर्दियों के मौसम में दोनों देशों के सैनिक पीछे हटेंगे। बेहतर तालमेल के लिये दोनों देशों के कमांडर्स के बीच हर महीने एक बैठक होगी। यह बदले हुए भारत की मजबूत इच्छाशक्ति की जीत है।

रूस के कजान शहर में आयेजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी और शी जिनपिंग की वार्ता के बाद भारत और चीन के मध्य अन्य अनेक मुद्दों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना नजर आ रही है। पचास मिनट की बैठक में तय हुआ है कि भारत और चीन सीमा विवाद को स्थाई रूप से सुलझाने के साथ - साथ आर्थिक मोर्चे पर भी मिलकर काम करेंगे। वार्ता में यह भी तय हुआ है कि सीमा पर शांति हो जाने के बाद अब मानसरोवर यात्रा प्रारंभ करने पर भी बैठक होगी। कजान में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आपसी व्यापार बढ़ाने तथा सहयोग के नये क्षेत्र ढूँढने और अनेक वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत और चीन के मध्य पांच साल के बाद तनाव कम होना एक महत्वपूर्ण है।

यहाँ यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि भारत और चीन के मध्य संबंधों में उतार चढ़ाव आता रहता है और इतिहास सिखाता है कि भले ही समझौते को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई हो चीन पर तब तक भरोसा नहीं किया जा सकता जब तक कि सब कुछ संपूर्णता पर न आ जाये। हिंदी -चीनी भाई भाई के नारे की आड़ में चीन भारत पर पूर्व में आक्रमण और घुसपैठ दोनों ही कर चुका है और भारत की भूमि हड़प चुका है। चीन की धोखेबाजी के ही कारण गलवान घटना घटित हुई थी किंतु भारतीय सैनिकों ने चीन को मुहंतोड़ जवाब दिया और झड़प वाली जगह पर सीना तान कर खड़े रहे। वर्तमान समझौता इसीलिए हो भी सका है क्योंकि भारतीय सैनिकों ने चीन को पैर वापस खीचने को बाध्य कर दिया।

भारत अब 1962 वाला देश नहीं रहा। आज का भारत जो कहता है वह करता भी है। पहली बार बिना बड़े युद्ध के चीन को पीछे हटने पर मजबूर किया गया है। पहली बार भारत सरकार ने चीन के खिलाफ वास्तविक रूप से कड़े कदम उठाए। गलवान की घटना के बाद भारत ने चीन के साथ सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया, वीजा नियम सख्त किये गये । भारत में चीनी निवेश पर कड़े नियम लागू कर दिये गये जिसके कारण विगत चार वर्षों में चीन द्वारा प्रस्तावित अरबों डालर की अनुमोदन प्रक्रिया रुक गई। इसी प्रकार डाटा और गोपनीयता के मुद्दों को सामने रखते हुए 300 चीन ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया गया जिसके कारण चीन को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

भारत को अभी भी बहुत अधिक सावधान रहना है क्योंकि भारत और चीन के मध्य अरुणाचंल प्रदेश तनाव का बड़ा कारन बना रहेगा। आतंकवाद पर भी चीन की नीति स्पष्ट नहीं है, आतंकवाद के मुददे पर वह पाकिस्तान व आतंकियों के साथ खड़ा दिखाई देता है। उसने अभी तक पाक आतंकी मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित कर उस पर प्रतिबंध लगाने के बजाय संयुक्तराष्ट्र में वीटो किया है। वहीं संयुक्तराष्ट्र महासभा में भारत की स्थायी सदस्यता का अब केवल चीन ही विरोध कर रहा है जिसके कारण संयुक्तराष्ट्र में भारत को स्थायी सदस्यता नहीं मिल पा रही है और न ही वहां सुधार लागू हो पा रहे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या चीन आतंकवाद के मुद्दे पर अपना दोहरा रवैया छोड़ेगा। व्यावसयिक और व्यापारिक दृष्टि से भी चीन के समकक्ष रहने के लिए भारत को वोकल फॉर वोकल पर बहुत बल देना होगा।

मोदी और जिनपिंग की ताजा वार्ता की सफलता की अग्निपरीक्षा शीघ्र ही हो जाएगी क्योंकि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने आतंकवाद को साझा खतरा बताकर निर्णायक कदम उठाने का संकल्प लिया है। रूस के कजान शहर में जारी साझा घोषणापत्र में आतंकवादी विचारधारा के प्रसार, उसके उद्देश्यों के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग, आतंकियों की सीमा पार आवाजाही व आतंकी वित्तपोषण को रोकने के लिए निर्णायक कदम उठाने का संकल्प लिया गया है। ब्रिक्स घोषणपत्र पर चीन के भी हस्ताक्षर हैं। ये देखना रुचिकर होगा कि चीन अपने इस हस्ताक्षर को कितनी गंभीरता से लेता है ।

वोट बैंक की राजनीति से ग्रस्त हैं जूनियर ट्रूडो

दीपक वोहरा

पैरों और मुंह का रोग एक संक्रामक वायरल संक्रमण है, जो छोटे पशुओं में आम है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को अपना पैर मुंह में रखने की बीमारी है और हम देखते हैं कि वह जब भी अपना मुंह खोलते हैं, उनका पैर बाहर निकल आता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कनाडाई विदूषक के साथ पूर्वी एशियाई देशों के सम्मेलन में वियनतियाने में संक्षिप्त मुलाकात की थी। ट्रूडो हर मंच पर चिल्लाते हैं कि उनका मुल्क कानून के राज पर विश्वास करता है, लेकिन उन्होंने अपने मुल्क को अपराधियों के हाथों में सौंप दिया है। पिछले एक साल से वह निज्जर की हत्या के मामले के बारे में सभी को विभिन्न जानकारी दे रहे हैं, जिसमें वेटर, कैब ड्राइवर और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा गार्ड भी शामिल हैं। बीते सितंबर में उन्हें तब एक बड़ा झटका लगा, जब न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ने यह कहते हुए अपना समर्थन वापस ले लिया कि वह 2022 में जस्टिन ट्रूडो के साथ किया गया करार तोड़ रहे हैं, क्योंकि ट्रूडो कमजोर, स्वार्थी और भ्रष्ट नेता हैं। ट्रूडो की सभी हरकतें (हर छोटे गुरुद्वारे के कार्यक्रम में भाग लेना और सरोपा प्राप्त करना) विफल हो गई हैं। लेकिन क्यों? मध्य अक्तूबर में भारत ने कहा कि कनाडा ने हरदीप सिंह निज्जर की पिछले वर्ष हुई हत्या मामले में अब तक एक भी सुबूत नहीं दिया है, जिसके बारे में वह भारत सरकार पर आरोप लगाते हैं। ट्रूडो ने जगमीत सिंह की पार्टी से वादा किया था कि कनाडा निज्जर के हत्यारों का पता लगाएगा, लेकिन ऐसा करने में वह विफल रहे। अपनी विफलता को छिपाने के लिए ट्रूडो सरकार ने एक संदेश भेजा, जिसमें कहा गया कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक इस मामले में संदेह के घेरे में हैं, जिसका अर्थ है कि उनसे पूछताछ की जा सकती है। मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि ट्रूडो एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिनमें किसी को दिलचस्पी नहीं होनी चाहिए। जाहिर है, ओटावा (कनाडा की राजधानी) ने अमेरिकी डीप स्टेट के अपने आका की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया होगा, जिसने एक अन्य अमेरिकी-कनाडाई नागरिक और घोषित खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को सितंबर, 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी जिला न्यायालय में एक याचिका दायर करने के लिए उकसाया था, जिसमें उसे खत्म करने के कथित प्रयास के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सहित भारत सरकार को सम्मन जारी करने की मांग की गई थी। हमने इसका मजाक उड़ाया। ताजा मामले में, हमने ओटावा के बेतुके आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है और ट्रूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे को जिम्मेदार ठहराया है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है। यदि कनाडा में आज चुनाव होते हैं, तो ट्रूडो की पार्टी संसद में एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। हमने भारत के सबसे वरिष्ठ सेवारत राजनयिक के खिलाफ आरोपों को अवमानना के साथ खारिज कर दिया। हमें लगता कि त्रूदो सनकी हैं। लेकिन इससे पहले कि ट्रूडो कुछ और बेतुका काम कर पाते, हमने घोषणा कर दी कि हम अपने उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला रहे हैं, क्योंकि हमें उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की कनाडाई सरकार की प्रतिबद्धता पर भरोसा नहीं रहा। ट्रूडो की सरकार ने भारत सरकार के कथित 'हिंसा अभियान' का हिस्सा होने का आरोप लगाकर छह भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। बदले में हमने भी कनाडा के कार्यवाहक उच्चायुक्त और उनके डिप्टी सहित छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया है। मैं 51 वर्षों से कूटनीति में हूं और यह मंत्रालय द्वारा किसी भी आरोप का सबसे तीखा खंडन है।

सिद्धारमैया के लिए अहम हैं कर्नाटक उपचुनाव

आदिति फडणीस

उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीटों के लिए 13 नवंबर को होने जा रहे उपचुनाव के लिए उत्साह इतना ज्यादा है कि कर्नाटक की तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के बारे में ज्यादा चर्चा ही नहीं हो रही है। वास्तव में ये चुनाव बहुत अहम हैं क्योंकि इनके नतीजे ही तय करेंगे कि मुश्किलों से जूझ रहे मुख्यमंत्री सिद्धरमैया सियासी तौर पर कितने विश्वसनीय रह गए हैं। कांग्रेस इन सीटों पर चुनाव हारी तो उन्हें पद से हटाए जाने की मांग और तेज हो जाएगी। कहने की बात नहीं है कि मैसूरु अरबन डेवलपमेंट अथॉरिटी (मुडा) भूमि घोटाले ने मुख्यमंत्री का दबदबा बहुत कम कर दिया है। उनकी पत्नी ने मैसूरु के विकास के लिए मुडा को अपनी जो जमीन दी, उसके बदले उन्हें मैसूरु में भूखंड दे दिए गए। लेकिन उन्हें मुआवजे में जो जमीन मिली, उसका सर्कल रेट बहुत अधिक था। सूचना के अधिकार के तहत एक जांच के समय यह मामला अचानक सामने निकल आया। अब भ्रष्टाचार और काले धन को सफेद बनाने के आरोपों में मुख्यमंत्री की जांच हो रही है तब उन्होंने जमीन लौटाने के अपनी पत्नी के सार्वजनिक प्रस्ताव पर 'अचरज' जताया है। मजे की बात है कि ज्यादातर लोगों को मुख्यमंत्री के इस अचरज पर ही अचरज हो रहा है! इन सबके बीच ही उपचुनाव चले आए। सबसे दिलचस्प चुनाव चन्नपटना में होने वाले हैं, जो जनता दल सेक्युलर के एचडी कुमारस्वामी की सीट थी। लोक सभा चुनाव के पहले जब जनता दल सेक्युलर ने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन किया और कुमारस्वामी मांड्या लोक सभा सीट से चुनाव जीतकर केंद्र में मंत्री बन गए तब उन्होंने चन्नपटना विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। माना यही जा रहा था कि इस सीट से भाजपा के सीपी योगेश्वर चुनाव लड़ेंगे, जिन्हें कुमारस्वामी ने बतौर राजग प्रत्याशी हराया था। भाजपा

ने इसके लिए बार-बार अनुरोध भी किया मगर कुमारस्वामी ने ऐलान कर दिया कि राजग के प्रत्याशी के तौर पर इस सीट से उनके बेटे निखिल चुनाव लड़ेंगे। योगेश्वर ने भाजपा छोड़ दी है और वह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतर गए हैं। इसलिए यह सीट राजग और मुख्यमंत्री दोनों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है। यहां वोक्कालिगा समुदाय का दबदबा है, जहां कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर कटु प्रतिद्वंद्वी हैं। भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की शिग्गांव सीट भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। कांग्रेस ने अगर यह सीट जीत ली तो उसकी जीत किसी तख्तापलट से कम नहीं होगी। बोम्मई 2008 से इस सीट पर जीतते आ रहे हैं और अब उनके बेटे तथा अभिनेता भरत इस सीट से दावेदार हैं। संदूर सीट बेल्लारी क्षेत्र में है। जब कांग्रेस के ई तुकाराम बेल्लारी के सांसद बने तो उनकी ख्वाहिश थी कि उनकी बेटी इस विधानसभा सीट से चुनाव लड़े। मगर यहां से उनकी पत्नी लड़ रही हैं और खुद मुख्यमंत्री कह चुके हैं कि कांग्रेस यहां से चुनाव जीतेगी।

इससे मुख्यमंत्री पर दबाव बहुत बढ़ गया है, जो अपने पद पर बने रहने के लिए कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। मगर ज्यादातर विश्लेषकों का कहना है कि उनके खिलाफ सबूत बहुत ठोस हैं।

बहरहाल सिद्धरमैया के लिए यह नई बात नहीं है। जनता दल सेक्युलर से नाता तोड़कर कांग्रेस की सदस्यता उन्होंने 2005 में ही ले ली थी मगर अब भी उन्हें कांग्रेस में नवागत ही माने जाते हैं। उन्हें राजनीति में राह दिखाने वाले एच डी देवेगौड़ा इस विलक्षण राजनेता और शानदार वक्ता के बड़े प्रशंसक थे। जनता दल सेक्युलर की सरकार में देवेगौड़ा ने उन्हें उप मुख्यमंत्री तो बनाया लेकिन मुख्यंत्री बनाने से इनकार कर दिया। इस पद के लिए उन्होंने अपने बेटे को तरजीह दी, जो स्वाभाविक भी है।

सिद्धरमैया 2005 में पार्टी छोड़कर कांग्रेस में चले गए। उनके साथ कुछ विधायक भी गए और सभी को आगामी चुनाव में टिकट दिया गया। 2013 के विधानसभा चुनाव के बाद इन्हीं विधायकों के भरोसे उन्होंने दावा किया था कि उन्हें कांग्रेस विधायक दल के सभी 121 सदस्यों का भरोसा हासिल है। 2018 के चुनावों के बाद त्रिशंकु विधानसभा बनी। कांग्रेस और कुमारस्वामी ने सरकार बनाई लेकिन एक साल के भीतर सरकार गिर गई और भाजपा सत्ता में आ गई। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस आराम से जीती और सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री बनाया गया। पिछले कई अवसरों की तरह इस बार यह पद उनके हाथ से निकला नहीं। परंतु अब मुख्यमंत्री के लिए हालात सहज नहीं हैं। बाहरी होने की अपनी छवि का हवाला देने के बावजूद, पहले भ्रष्टाचार का कोई इल्जाम न होने के बावजूद और अपनी चतुराई और जबरदस्त कन्नड़ बोलने के बावजूद सिद्धरमैया जानते हैं कि उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है, जो सम्मानजनक विदाई होगी। कम से कम तीन मंत्री उन्हें हटाने के लिए बैठक कर चुके हैं। उपचुनाव के नतीजे संख्या की दृष्टि से कांग्रेस सरकार की स्थिरता पर असर नहीं डालेंगे चाहे पार्टी तीनों सीट ही क्यों न हार जाए। परंतु मुख्यमंत्री की स्थिति पर इसका असर होगा? यह अलग मसला है।

क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जीत पाएगा

बलबीर पुंज

मिथक 'हिंदू/भगवा आतंकवाद' सिद्धांत कितनी बड़ी साजिश थी, उसका पुनः खुलासा कांग्रेसी नेता और पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे के एक दावे से हो जाता है। एक हालिया पॉडकास्ट में बात करते हुए शिंदे ने कहा कि उस समय रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। यह उनकी पार्टी (कांग्रेस) ने उन्हें बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा है। उस समय पूछा गया था तो बोल दिया था भगवा आतंकवाद... यह गलत था।'' इसी पॉडकास्ट में शिंदे, दिसंबर 2001 के संसद आतंकवादी हमले के दोषी और फांसी पर लटकाए जा चुके जिहादी अफजल गुरु को आतंकी कहने से बचते भी नजर आए। यह किसी से छिपा नहीं है कि कांग्रेस में पार्टी का अर्थ गांधी परिवार (सोनिया-राहुल-प्रियंका) है। यह चिंतन उस मानसिकता की उपज है, जिसमें इस्लामी आतंकवाद को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जायज ठहराने के लिए 'हिंदू आतंकवाद' रूपी छलावा खड़ा किया गया था। इस साजिश में वामपंथियों और कट्टरपंथी मुस्लिमों के साथ कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल था। शिंदे के हालिया कबूलनामे से वह कड़वा सच भी एकाएक ध्यान में आता है कि ज्ञान-विज्ञान और पराक्रम जैसे गुणों से सुशोभित होते हुए भी भारत मध्यकाल में लगभग 600 वर्षों तक मुस्लिम और फिर 200 सालों तक अंग्रेजों के अधीन क्यों हो गया था।

इतिहास साक्षी है कि यदि व्यक्तिगत खुन्नस के कारण जयचंद, पृथ्वीराज चौहान को धोखा नहीं देता, तो विदेशी आक्रांता मुहम्मद गौरी नहीं जीतता। इसी तरह यदि शाह वलीउल्लाह मराठाओं के खिलाफ अफगान अब्दाली को भारत नहीं बुलाता और पलासी की लड़ाई में मीर जाफर यदि सिराजुद्दौला को न छलता, तो भारत में अंग्रेजी साम्राज्य संभवतः स्थापित ही नहीं होता। कांग्रेस नीत यू.पी.ए. (वर्तमान आई.एन.डी.आई.ए) कार्यकाल में उसी काले इतिहास को दोहराया गया था।

व्यक्तिगत, राजनीतिक और वैचारिक विरोध के चलते 'हिंदू/भगवा आतंकवाद' शब्दावली की रचना कर दुनिया में भारत, हिंदू समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा और अन्य संगठनों को कलंकित करने का

जाल बुना गया। इसकी जड़ें 1993 के मुंबई शृंखलाबद्ध (12) बम धमाके में मिलती हैं, जिसमें 257 निरपराध मारे गए थे।

तब महाराष्ट्र के तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री शरद पवार ने आतंकियों की मजहबी पहचान और उद्देश्य से ध्यान भटकाने हेतु झूठ गढ़ दिया कि '13वां' धमाका मस्जिद के पास हुआ था। यह प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से हिंदुओं को आतंकवाद से जोडने का प्रयास था। इसी चिंतन को यू.पी.ए.-काल (2004-14) में राहुल गांधी के साथ पी. चिदंबरम और सुशील कुमार शिंदे ने बतौर केंद्रीय गृहमंत्री आगे बढ़ाया था। हद तो तब हो गई, जब कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने वर्ष 2008 के भीषण मुंबई 26/11 आतंकवादी हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ बता दिया। यहां तक, दिग्विजय ने इसी हमले में जिहादियों की गोलियों के शिकार हुए मुंबई आतंक निरोधक दस्ते के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे की मौत को हिंदूवादी संगठनों से जोडने का प्रयास किया था। इस संबंध में तब पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा हाथों में पवित्र कलावा/मौली को आधार बनाकर कई समाचारपत्रों में आलेख तक प्रकाशित हुए थे। सोचिए, यदि आतंकी कसाब और डेविड हैडली (दाऊद सैयद गिलानी) जीवित नहीं पकड़े जाते, तो क्या होता?

वास्तव में, यह हिंसा-घृणा के पीड़ितों को 'अपराधी' और दोषियों को 'मासूम' बताने की 'सैकुलरवादी' ('लैफ्ट-लिबरल' सहित) साजिश है। 14 फरवरी 1998 को कोयंबटूर में शृंखलाबद्ध 12 बम धमाके हुए थे, जिसमें 58 बेकसूरों की मौत हो गई।

आतंकवादियों का मुख्य निशाना भाजपा के शीर्ष नेता लाल कृष्ण अडवानी थे, जिन्हें तब चुनाव प्रचार हेतु कोयंबटूर आना था। परंतु विमान परिचालन में देरी से उनकी जान बच गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन शीर्ष नेतृत्व ने न केवल इन बम धमाकों का आरोप संघ पर लगा दिया, बल्कि यहां तक कह दिया कि अगर बम भाजपा के अलावा किसी और ने लगाया होता, तो ऐसा करने वाला निश्चित रूप से अडवानी को मार देता। इसी मामले में अदालत द्वारा सैयद अहमद बाशा, फखरुद्दीन, इमाम अली आदि दोषी ठहराए गए थे। प्रधानमंत्री मोदी के दानवीकरण हेतु इस कुनबे ने फरवरी 2019 के भीषण पुलवामा आतंकवादी हमले, जिसमें 40 सुरक्षाबलों का बलिदान हुआ था उसे 'भाजपा द्वारा प्रायोजित' बताने का प्रयास किया था। ऐसा ही जहरीला नरेटिव 27 अक्तूबर 2013 को बिहार के पटना में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में भी बनाया गया था। तब प्रसिद्ध गांधी मैदान में उस समय 5 धमाके किए गए थे, जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी (वर्तमान प्रधानमंत्री) लगभग 3 लाख की जनसभा को संबोधित कर रहे थे। तब तत्कालीन सत्तारूढ़ कांग्रेस के बड़े नेताओं ने प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से धमाकों के लिए भाजपा को कटघरे में खड़ा कर दिया था। इसी मामले में अदालत ने हैदर अली, नुमान अंसारी, मोजिबुल्लाह, इम्तियाज आलम आदि को दोषी पाया था। आतंकवाद वर्तमान विश्व की एक बड़ी समस्या है और भारत सदियों से इसका शिकार। इसके खिलाफ सभ्य समाज को हर हाल में लड़ाई जीतनी होगी। यदि हम इसी तरह आतंकवाद के वास्तविक पीड़ितों को ही 'अपराधी' बताते रहे, तो क्या हम इसके असली गुनाहगारों को 'सुरक्षित मार्ग' प्रदान नहीं कर रहे? ऐसी स्थिति में क्या भारत, आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई जीत सकता है?

अमरीकी चुनावों का भारत पर क्या होगा असर

अजय छिब्बर

5 नवम्बर को अमरीका एक नए राष्ट्रपति का चुनाव करेगा, इस निर्णय का न केवल अमरीका बल्कि पूरी दुनिया पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा, जिसमें भारत भी शामिल है। कमला हैरिस की जीत उनके लिए असाधारण उपलब्धि होगी, क्योंकि वह पहली अश्वेत महिला और भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं जो राष्ट्रपति चुनी जाएंगी। उनका चुनाव अमरीका में भारतीय प्रवासियों के उत्थान का सबसे महत्वपूर्ण संकेतक भी होगा। लेकिन जब वह कुछ बदलाव ला सकती हैं, तो हम जो बाइडेन की नीतियों के साथ व्यापक निरंतरता की उम्मीद कर सकते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रम्प दूसरा कार्यकाल जीतते हैं, तो अमरीकी नीतियों और पदों में एक बड़ा उलटफेर होने की संभावना है। जैसा कि कहा गया है, ट्रम्प यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते पर दबाव डालेंगे, जिसके परिणामस्वरूप पुतिन रूस के कब्जे वाले अधिकांश हिस्से को अपने पास रख लेंगे। भारत इस युद्ध के शुरुआती चरण में तेल और उर्वरक की बढ़ती कीमतों से प्रभावित था, इसके बाद छूट वाले रूसी कच्चे तेल की खरीद ने आर्थिक प्रभाव को सीमित करने में मदद की। ट्रम्प का लेन-देन संबंधी दृष्टिकोण उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को फिर से कमजोर करेगा, क्योंकि अगर किसी सदस्य पर हमला होता है तो उसे मिलने वाले समर्थन की गारंटी संदेह में पड़ जाएगी। दूसरी ओर, हैरिस यूक्रेन और नाटो पर बाइडेन प्रशासन की स्थिति को बनाए रखेंगी। पश्चिम एशिया में,ट्रम्प दृढ़ता से देश का समर्थन करते हैं और चाहे कुछ भी हो जाए, वे देश का समर्थन करेंगे। हैरिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत टू-स्टेट समाधान का समर्थन करती हैं और राष्ट्रपति बाइडेन की तुलना में इसराईल के साथ कड़ा रुख अपनाएंगी। लेकिन राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा संघर्ष को कमजोर तरीके से संभालना देश के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। वहीं ट्रम्प फिर से अमरीका को पैरिस समझौते से हटा लेंगे और ऊर्जा कम्पनियों को एक स्वतंत्र मार्ग प्रदान करेंगे, जैसा कि वे कहते हैं, 'ड्रिल, बेबी, ड्रिल'। इससे तेल की कीमतें कम रहेंगी, जिससे भारत को लाभ होगा लेकिन जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा। वे 2025 में समाप्त होने वाली कर कटौती को भी बढ़ा देंगे, जिससे राजकोषीय घाटा और बढ़ जाएगा। उनकी योजना भारी टैरिफ लगाने की भी है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल के टैरिफ जो राष्ट्रपति बाइडेन ने बनाए रखे थे, लगभग 300 बिलियन डॉलर के आयात पर लागू किए गए थे। इस बार, उन्होंने चीन पर 60 प्रतिशत टैरिफ और लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर के आयात पर 10-20 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव रखा है, जो कि पिछली बार 1930 के स्मूट हॉली टैरिफ अधिनियम में देखा गया था। लगभग 200 बिलियन डॉलर की कीमत वाली वस्तुओं और सेवाओं पर भारत का हित अधिक खुली वैश्विक व्यापार प्रणाली में है, न कि व्यापार युद्धों में। ट्रम्प ने भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया और भारत से स्टील के आयात पर 14 से 25 प्रतिशत और एल्युमीनियम पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया और भारत की वरीयता की सामान्यीकृत प्रणाली का दर्जा समाप्त कर दिया। भारत को 28 अमरीकी उत्पादों पर उच्च टैरिफ लगाकर जवाबी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हैरिस छोटे व्यवसायों को समर्थन देने और रोजगार सृजन के लिए अधिक प्रतिस्पर्धा पर ध्यान केंद्रित करेंगी, साथ ही चाइल्ड टैक्स क्रैडिट जैसे सामाजिक कार्यक्रमों पर भी ध्यान देंगी, जिससे गरीबी में नाटकीय रूप से कमी आई है। वह कॉर्पोरेट करों को 21 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत करेंगी, अमीरों के लिए आयकर की दर को बढ़ाकर लगभग 40 प्रतिशत (बिल क्लिंटन के समय में यह दर थी) करेंगी और पूंजीगत लाभ कर में वृद्धि करेंगी। भारत ने अपने कॉर्पोरेट कर की दर को घटाकर 25 प्रतिशत कर दिया। ट्रम्प द्वारा 2018 में अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अमरीकी दरों को घटाकर 21 प्रतिशत कर दिया मगर इस कटौती ने निवेश को प्रोत्साहित नहीं किया,लेकिन शेयर खरीद कर में भारी वृद्धि हुई। ट्रम्प संभवत: अमरीकी फैडरल रिजर्व की ब्याज दर नीतियों में हस्तक्षेप करेंगे और डॉलर को कमजोर करने का प्रयास करेंगे, जिससे भारत जैसे विकासशील देशों में व्यापक आर्थिक प्रबंधन जटिल हो जाएगा। हैरिस चीन के प्रति अपनी सख्त नीति बनाए रखेंगी, क्योंकि रणनीतिक प्रौद्योगिकियों पर बाइडेन प्रशासन के निर्यात प्रतिबंधों ने चीन को कम से कम अल्पावधि में ट्रम्प टैरिफ से भी अधिक नुकसान पहुंचाया है। उम्मीद है कि ट्रम्प अप्रवास पर बहुत सख्त रुख अपनाएंगे, जिसके परिणामस्वरूप एच1-बी वीजा पर और भी सख्त सीमाएं होंगी, जिनमें से 70 प्रतिशत से अधिक भारतीयों को जारी किए जाते हैं।

मूली के पत्ते रखते हैं बड़ी बीमारियों से दूर

खाने से पहले बरतें ये सावधानी

हरी पत्तेदार सब्जियां खाने के सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं, इसमें कोई शक नहीं। कुछ सब्जियों के पत्ते भी इस श्रेणी में आते हैं। इन्हें हम बेकार समझकर फेंक देते हैं। ऐसे ही हरे पत्ते होते हैं मूली के। मूली के पत्ते कोरिया और चीन में सब्जी के रूप में खाए जाते हैं। भारत में भी इनसे साग और पराठे बनाए जाते हैं। मूली क्रूसीफर सब्जी है। हेल्थ बेनिफिट्स की बात करें तो इससे कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि क्रूसीफर सब्जियों में पावरफुल ऐंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। ये आपको कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से भी बचाते हैं। यहां जानें मूली के पत्तों के फायदे और इन्हें कैसे खा सकते हैं।

मजबूत करते हैं इम्यूनिटी

मूली के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। इनमें मूली से छह गुना ज्यादा विटामिन सी होता है। आपको सीजनल एलर्जी, जुकाम, खांसी होता रहता है तो मूली के पत्ते खाना शुरू कर सकते हैं।

वेट लॉस के लिए बेस्ट

मूली के पत्ते वजन कम करने वालों के लिए बढ़िया ऑप्शन है। इनमें कैलोरी कम होती है और आपका मेटाबॉलिजम तेज करते हैं। एक कप में सिर्फ 13 कैलोरी होती है। आप इन्हें सलाद या भुजिया बनाकर खा सकते हैं। पेट भरा रहेगा और पोषण भी मिलेगा।

नैचुरल मल्टीविटामिन

मूली के पत्तों में विटामिन ए, विटामिन बी1, बी6, फॉलिक एसिड, कैल्शियम, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, पोटैशियम और आयरन होता है। इसमें विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में होता है। इन्हें आप नैचुरल मल्टीविटामिन मान सकते हैं। ये भी पढ़ें- ठंड में बीमार पड़ने से बचने के लिए जरूर खाएं ये पांच सब्जियां

एनीमिया में फायदेमद

अगर आपको एनीमिया है तो मूली के पत्ते आपके लिए फायदेमंद हैं। इसमें आयरन होता है जो कि कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों के लिए अच्छा ऑप्शन है।

बरतें ये सावधानी

मूली के पत्ते आपकी हेल्थ के लिए काफी अच्छे होते हैं लेकिन इन्हें खाने में सावधानी भी बरतनी चाहिए। कुछ स्टडीज में यह बात सामने आई है कि पत्ते हानिकारक नहीं होते लेकिन सिंचाई के गंदे पानी की वजह से इनमें पल्यूटेंट्स पहुंच सकते हैं। अगर इन्हें अच्छी तरह उगाया गया है और ठीक तरह से धोकर पकाकर खाया जाए तो खाने में कोई दिक्कत नहीं है। पत्ते बनाने या कच्चे खाने से पहले अच्छी तरह धोना जरूरी है।

वर्किंग पैरेंट्स के बच्चों में दिखाई दे सकते हैं साइकॉटिक डिप्रेशन के लक्षण

बच्चों को अच्छी परवरिश देना हर माता पिता के लिए उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन यह जिम्मेदारी उन पैरेंट्स के लिए थोड़ी और कठिन बन जाती है, जहां मां और पिता दोनों वर्किंग होते हैं। जीं हां, ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर वर्किंग पैरेंट्स अपने बच्चों को महंगे, खिलौने और अच्छा लाइफस्टाइल तो दिला देते हैं लेकिन अपने बच्चों के साथ गुजारने के लिए पर्याप्त समय नहीं होता। जिसकी वजह से वो कई बार साइकॉटिक डिप्रेशन तक का शिकार बन सकते हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या है साइकॉटिक डिप्रेशन, इसके लक्षण और बचाव के उपाय।

क्या है साइकॉटिक डिप्रेशन-

साइकॉटिक डिप्रेशन मनोरोग से जुड़ी एक बीमारी है, जिसका समय पर इलाज न होने पर यह काफी गंभीर हो सकती है। इस रोग से पीड़ित होने पर बच्चों के मन में नकारात्मक ख्याल आने लगते हैं। उसे यह लगने लगता है कि उससे जीवन में कुछ नहीं हो पाएगा, उसकी लाइफ असफलता से घिरी हुई है। इस तरह के नकारात्मक ख्याल बच्चे को अंदर ही अंदर परेशान करने लगते हैं।

साइकॉटिक डिप्रेशन के मुख्य कारण-

साइकॉटिक डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण आजकल का लाइफस्टाइल है। बड़े लोगों की ही तरह बच्चे भी अपने जीवन में कई तरह के प्रेशर से होकर निकलते हैं। उदाहरण के लिए समय पर होमवर्क खत्म करने के साथ पढ़ाई करना। जिसकी वजह से कई बार बच्चा खेलकूद के लिए भी समय नहीं निकाल पाता है और नकारात्मक बातें सोचने लगता है।

इसके विपरीत जो बच्चे खेलते हैं वो हमेशा खुश रहते हैं, उनका शरीर थकता है और उन्हें अच्छी नींद आती है। इस तरह के बच्चों के पास कुछ भी नेगेटिव सोचने का समय नहीं होता है। लेकिन जिन बच्चों के पैरेंट्स वर्किंग होने की वजह से बेहद व्यस्त रहते हैं उन्हें अपना ज्यादा समय अकेले रहकर ही गुजारना पड़ता हैं और वो परेशान रहते हैं। ऐसे में माता-पिता को अपने बच्चों के लिए थोड़ा समय निकालना चाहिए, जिससे बच्चे अपने मन की बात उनसे साझा करके खुद को हल्का महसूस करें।

साइकॉटिक डिप्रेशन के मुख्य लक्षण-

- पीड़ित बच्चा अपने ही दोस्तों से जलन महसूस करने लगता है।
- इस रोग से पीड़ित बच्चा हमेशा नकारात्मक ख्याल रखता है, ऐसा बच्चा खुश नहीं रहता है।
- इस रोग से पीड़ित बच्चा खेलना-कूदना बंद कर देते हैं।
- बच्चे किसी से बात नहीं करेंगे, न पैरेंट्स, न पड़ोसियों, न दोस्तों से
- बच्चे अकेला रहने के लिए घर में ही अपनी जगह तलाशेंगे।
- बड़ों का सम्मान नहीं करेंगे, ठीक से बात भी नहीं करेंगे।
- छोटी-छोटी बातों पर भाई-बहन या फिर पैरेंट्स सहित अन्य के साथ लड़ेंगे।
- ठीक से पढ़ाई भी नहीं करेंगे
- खाने पीने में बच्चों का मन नहीं लगेगा

ऐसे करें बचाव-

साइकॉटिक डिप्रेशन से बच्चों को बचाए रखने के लिए बच्चों की हर एक्टिविटी पर नजर रखें। यदि उनमें बताए गए किसी प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं तो आपको डॉक्टरी सलाह लेनी चाहिए। इसके अलावा जितना संभव हो बच्चों से बात करें। यदि बच्चा आपका कुछ बोलता भी है तो उसकी बातों को अनसुना न करें। उसकी छूट दें। बच्चों को सही व गलत के बारे में बताएं। बीमारी के लक्षण दिखते ही मनोरोग विशेषज्ञ से सलाह लेना चाहिए।

बच्चों को खेलकूद के साथ जो वो करना चाहता है

पैरों में रहता है दर्द तो इन घरेलू उपायों का अपनाएं, जल्द मिलेगा आराम

पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द से राहत दिलाने में सेब का सिरका बहुत लाभकारी है। आपको दो चम्मच सिरके में शहद मिलाकर खाली पेट लेना है, ऐसा करने से दर्द में राहत मिलेगी। साथ ही आप सीधे तौर पर दर्द से प्रभावित हिस्से पर लगा भी सकते हैं।

आज के समय में ज्यादा पैदल चलने या बहुत अधिक देर तक खड़े रहने से लोगों के पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द होना शुरू हो जाता है। पैरों में होने वाला दर्द अधिकतर रात के समय में अधिक परेशान करता है, जिस कारण से रात में सोना मुश्किल हो जाता है। यदि इस समस्या का समय पर निदान न किया जाए तो यह समस्या आगे चलकर एक गंभीर परेशानी को पैदा कर देती है। कुछ लोग तो पेन किलर दवाओं का सेवन करने लगते हैं जो उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। ऐसे में हम आपको बताते हैं कि आप इन घरेलू उपायों को आजमाकर पैर और पैर की मांसपेशियों में होने वाले इस दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।

पैर दर्द के कुछ घरेलू उपाय

सेब का सिरका

पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द से राहत दिलाने में सेब का सिरका बहुत लाभकारी है। आपको दो चम्मच सिरके में शहद मिलाकर खाली पेट लेना है, ऐसा करने से दर्द में राहत मिलेगी। साथ ही आप सीधे तौर पर इसे दर्द से प्रभावित हिस्से पर लगा भी सकते हैं। आप टब में एप्पल विनेगर की कुछ बूंदे मिलाकर इसमें पैर डुबोकर भी बैठ सकते हैं।

हल्दी

हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो आपके पैर की मांसपेशियों और पैर दर्द में राहत दिलाने में सहायक होते हैं। हल्दी को गर्म दूध में मिलाकर पीने से भी दर्द में आराम महसूस होता है इसके साथ-साथ आप पैरों पर हल्दी का लेप भी लगा सकते हैं।

सरसों का तेल दर्द में सहायक

पैर दर्द में आप सरसों के तेल की मालिश कर सकते हैं जिससे आपको बहुत लाभ मिलेगा। पैरों में होने वाले दर्द से आपको जल्दी ही छुटकारा मिलेगा। यह घरेलु नुस्खा सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाता है।

गर्म पानी

पैर की मांसपेशियों और पैर के दर्द में गर्म पानी बहुत सहायक हैं। आप गर्म पानी में नमक डालकर अपने पैरों को डुबोकर बैठ जाएं। इस प्रक्रिया के करने से आपको दर्द में बहुत राहत मिलेगी। यह एक बेहतरीन प्राकृतिक नुस्खा है।

मेथी का प्रयोग

मेथी भी दर्द से राहत देने में कारगर है। आप एक चम्मच मेथी रात को भिगोकर रख दें और उसे सुबह में खा लें। ऐसा करने से आपको पैर की मांसपेशियों और पैर दर्द में काफी राहत मिलेगी।

अगर फ्रिज में रखते हैं अंडे तो हो जाए सावधान! होते हैं ये नुकसान

संडे हो या मंडे रोज खाओं अंडे, ये बात कई बार आपने लोगों को दोहराते हुए सुना होगा। प्रोटीन से भरपूर अंडे सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। लेकिन क्या आप ऐसा फ्रिज में रखे अंड़ों के बारे में भी कह सकते हैं। क्या वाकई फ्रिज में रखे अंड़े आपकी सेहत के लिए बाहर रखें अंड़ों जितने ही फायदेमंद होते हैं। जवाब शायद ज्यादातर लोगों को निराश कर सकता है। जी हां, आइए जानते हैं आखिर क्यों फ्रिज में रखे अंडे नहीं खाना चाहिए?। फ्रिज में अंड़े रखने से आपका क्या नुकसान हो सकता है।

फ्रिज में अंड़े रखने के नुकसान-

1- अक्सर लोगों को लगता है कि फ्रिज में अंडे रखने से वो सुरक्षित रहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं हैं। अंडे में मौजूद प्रोटीन, कैल्शियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड फ्रिज में रखने की वजह से खत्म हो जाते हैं।

2- सर्दियों में अंडा खाने से आपकी सेहत को फायदा मिलता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और ओमेगा 3 फेटी एसिड होता है, लेकिन फ्रिज में रखने की वजह से इनकी ये खासियत ही खत्म हो जाती है।

3- अंडे फ्रिज में रखने से फ्रेश रहते हैं, लेकिन इनके पोषक तत्व कम तापमान की वजह से खत्म हो जाते हैं। इसके साथ ही इनका असली स्वाद भी खत्म हो जाता है।

4- अंडों को सही तापमान पर स्टोर किया जाए ताकि साल्मोनेला बैक्टीरिया को बढ़ने से रोका जा सके। साल्मोनेला बैक्टीरिया अंडे को बाहरी और भीतरी दोनों ही तरह से दूषित कर सकते हैं। फ्रिज में अंडे रखने से उसके ऊपर मौजूद बैक्टीरिया बढ़ भी सकते हैं। ऐसे में अंडे के अंदर भी इनके घुस जाने की तो संभावना होती ही है।

5- फ्रिज में रखे अंडे को उबालने पर ज्यादातर अंडे तुरंत टूट जाते हैं। इसलिए अगर आप फ्रिज से निकालकर अंडा उबालना चाहते हैं तो पहले उसे कुछ देर के लिए कमरे मे खुला रख दें जिससे उसका तापमान सामन्य हो जाए उसके बाद ही आप उसे उबलने के लिए रखें।

6- कई बार अंडे के ऊपरी भाग पर गंदगी रह ही जाती है तो फ्रिज की दूसरी चीजों को भी संक्रमित कर सकती है।

सलाह- आप रोजाना अंडे खाने के शौकीन हैं, तो कोशिश कीजिए कि कई दिनों से रखे अंडे का सेवन ना करें। जरूरत हो तो अंडों को खरीद कर लाएं और तभी उनका इस्तेमाल कर लें।

सेहत से लेकर त्वचा के लिए गुणकारी है शहद, स्किन केयर रुटीन में करें शामिल

आयुर्वेद में शहद को सर्दी-जुकाम से लेकर गले में दर्द, घाव भरना, पाचन दुरुस्त करना, स्लीप क्वालिटी में सुधार करना, एनर्जी को बढ़ावा, स्किन की देखभाल, एलर्जी और साइनस से राहत दिलाता है। इतना ही नहीं, शहद स्किन के लिए किसी औषधि से कम नहीं है। कई प्रकार के फेस मास्क और उबटन में शहद का प्रयोग किया जाता है। स्किन के लिए शहद बेहद फायदेमंद है। आइए जानते हैं कि कैसे शहद स्किनकेयर रुटीन का एक बेस्ट विकल्प हो सकता है।

एक्सफोलिएटर

शहद को आप एक्सफोलिएटर की तरह प्रयोग कर सकत है। गौरतलब है कि शहद में एंजाइम मौजूद होती है जो एक प्राकृतिक एक्सफोलिएटर की तरह है। शहद को स्किन पर लगाने से ड्राई, डल स्किन से डेड सेल निकल जाते हैं और अंदर मौजूद नए सेल बाहर आते हैं, जिससे स्किन में ग्लो आता है।

एंटीसेप्टिक

स्किन पर कील मुहांसे होने पर आप शहद को चेहरे पर लगाएं। ये चेहरे की धूल, मिट्टी और गंदगी को साफ कर देता है, इससे बैक्टीरिया से बचाव करता है और मुंहासों में एंटीसेप्टिक का काम करता है।

एंटी-एजिंग

शहद एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो कोलाजन को बूस्ट करता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट स्किन को फ्री रेडिकल डैमेज से बचाते हैं। इससे स्किन टाइट और यंग बनी रहती है, एजिंग की प्रक्रिया धीमी होती है और चेहरे पर ग्लो आता है।

सनबर्न रिलीफ

सन टैन या सनबर्न से होने वाले नुकसान से बचने के लिए शहद का प्रयोग जरुर करें। स्किन में इन्फ्लेमेशन कम होता है और हीलिंग प्रमोट होती है। इससे सनबर्न से होने वाले नुकसान से स्किन की नेचुरल तरीके से हीलिंग करने में सहायक है।

नाईट शिफ्ट से प्रभावित हो सकती है पुरुषों की प्रजनन क्षमता, ऐसे करें बचाव

नींद की कमी से लोग मोटापे और दिल के रोग जैसी कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। लेकिन अब ये बात सामने आई है कि अनिश्चित काम के घंटों या नाईट शिफ्ट से पुरुषों की सेक्स ड्राइव में कमी आ सकती है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पुरुषों के बाप बनने की संभावना भी कम हो जाती है।

मौजूदा समय में, लोगों के पास अपने हिसाब से नौकरी करने के विकल्प मौजूद हैं। कई लोग सुबह तो कई रात के समय नौकरी करते हैं। ऐसे में नाईट शिफ्ट में काम करने वाले लोगों की नींद बुरी तरह प्रभावित होती है, जिसका असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। नींद की कमी से लोग मोटापे और दिल के रोग जैसी कई गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। लेकिन अब ये बात सामने आई है कि अनिश्चित काम के घंटों या नाईट शिफ्ट से पुरुषों की सेक्स ड्राइव में कमी आ सकती है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पुरुषों के बाप बनने की संभावना भी कम हो जाती है।

आईवीएफ और इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. हृषिकेश डी पई ने हिंदुस्तान टाइम्स के साथ बातचीत में इस मुद्दे पर बात की। डॉ. हृषिकेश के अनुसार, शिफ्ट में काम करने वाले पुरुष इन समस्याओं का सबसे

ज्यादा शिकार होते हैं। काम करने का पैटर्न निश्चित रूप से कर्मचारियों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। इससे उनका सोने का पैटर्न, खाना खाने का समय और व्यायाम करने की क्षमता प्रभावित होती है। नींद की कमी पुरुषों में मूत्र संबंधी समस्याओं और इरेक्टाइल डिसफंक्शन का कारण बन सकती है।

काम करने का अनियमित शेड्यूल पुरुषों में सेक्स ड्राइव को बढ़ावा देने वाले टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के स्तर को कम सकता है। इसकी कमी की वजह से पुरुषों के सीमेन की गुणवत्ता खराब हो जाती है और वह महिला को प्रेगनेंट करने की क्षमता खो सकते हैं। मौजूदा समय में खराब खाने-पीने की आदतों और बिगड़ी जीवनशैली की वजह से पुरुषों की प्रजनन दर पहले की तुलना में कम हो गयी है।

नाईट शिफ्ट में काम करने वाले पुरुषों के लिए टिप्स

- लगातार रात में काम करने से बचें।
- बार-बार बदलने वाली शिफ्ट में काम करने से बचें।
- घर जाते समय तेज रोशनी से बचें, ऐसा करने से आपके लिए सो जाना आसान हो जायेगा।
- दिन में सोते समय धूप से बचने के लिए पर्दों का इस्तेमाल करें।
- लंबी यात्रा करने से बचें, इसकी वजह से आपकी नींद प्रभावित होती है।
- सोने के समय फोन साइलेंट पर रखें ताकि नींद खराब न हो।
- सोने से पहले कैफीन का सेवन करने से परहेज करें।

नवजात शिशु को 6 महीने तक क्यों नहीं पिलाते पानी?

घर पर नन्हे मेहमान के आते ही दादी-नानी ही नहीं घर का हर बुजुर्ग व्यक्ति माता-पिता को बच्चे की अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए सलाह देने लगता है। इसी सलाह में से एक सलाह माता-पिता को यह भी दी जाती है कि अपने नवजात शिशु को 6 महीने से पहले पानी नहीं पिलाना है। लेकिन क्या आप इस सलाह के पीछे की असल वजह जानते हैं और क्या है बच्चे को पानी पिलाने का सही समय। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब, जिनके बारे में माता-पिता को जरूर पता होना चाहिए।

क्यों 6 महीने बाद ही शिशु को पिलाया जाता है पानी?

नवजात बच्चों को शुरू के 6 महीने अलग से पानी पिलाने की जरुरत नहीं होती हैं। उनके लिए उनकी मां का दूध ही काफी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मां के दूध में ही 80 प्रतिशत पानी होता है, जो उसे सभी जरुरी पोषण और हाइड्रेशन देता है। इसके अलावा जो बच्चे फॉर्मूला मिल्क पीते हैं उनका शरीर भी हाइड्रेट रहता है। यही वजह है कि कम से कम 6 महीने बाद ही बच्चों को पानी पिलाने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखें पतला फॉर्मूला मिल्क पिलाने या ज्यादा पानी पिलाने की वजह से बच्चे की तबियत खराब हो सकती है।

पानी पिलाने का सही समय क्या है?

विशेषज्ञों के मुताबिक बच्चा जब ठोस आहार खाना शुरू कर दे तो उसे पानी पिलाना शुरू कर देना चाहिए। इसके लिए आप बच्चों के हाथ में सिपर पकड़ा सकते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने लॉन्च किया यू-विन पोर्टल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धन्वंतरि जयंती और 9वें आयुर्वेद दिवस पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित 12,850 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और मनसुख मंडाविया द्वारा सम्मानित किया गया। पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरा देश धनतेरस और भगवान धन्वन्तरि की जयंती का पर्व मना रहा है। मैं आप सबको धनतेरस और भगवान धन्वन्तरि की जयंती की बधाई देता हूं। आगे कहा कि आज के दिन बहुत बड़ी संख्या में लोग अपने घर के लिए कुछ न कुछ नया खरीदते हैं। मैं विशेष रूप से देश के व्यापारी लोग को भी शुमकामनाएं देता हूं। आगे कहा कि हम सबके लिए खुशी की बात है कि आज 150 से ज्यादा देशों में आयुर्वेद दिवस मनाया जा रहा है।

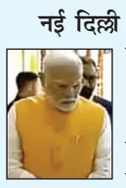

भाजपा ने जारी की दो और उम्मीदवारों की सूची

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने दो और उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने उमरेड से सुधीर लक्ष्मणराव पारवे और मीरा भाईंदर से नरेंद्र लालचंदजी मेहता को मौका दिया है। बता दें कि महाराष्ट्र में अगले महीने एक चरण में चुनाव होने वाला है। इससे पहले सोमवार को भाजपा ने 25 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की थी, जिसमें शरद पवार वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से आईं सई डहाके और मुंबई भाजपा इकाई के महासचिव संजय उपाध्याय समेत कई उम्मीदवारों के नाम शामिल थे। पार्टी ने अब तक 148 प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने एक बयान जारी कर बताया कि उन्होंने अपने सहयोगियों को चार सीट आवंटित करने का फैसला किया है। इसके अनुसार, अमरावती जिले की बडनेरा सीट युवा स्वाभिमान पार्टी को, परभणी जिले की गंगाखेड़ सीट राष्ट्रीय समाज पार्टी (आरएसपी) को, मुंबई की कलिना सीट रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) को और कोल्हापुर की शाहूवाड़ी सीट जन सुराज्य शक्ति पार्टी को दी गई है।

भाजपा की शाइना एनसी को शिवसेना ने दिया टिकट

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रवक्ता शाइना एनसी का नाम एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सूची में शामिल हो गया है। विधानसभा चुनाव से पहले कई चौंकाने वाले नामों में से एक यह भी है। 51 वर्षीय शाइना एनसी सोमवार को एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुईं। उन्हें मुंबादेवी से मैदान में उतारा गया है। टिकट मिलने पर शायना एनसी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महायुति के नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहती हूँ क्योंकि मेरा मानना है कि यह मेरे मुंबईकरों की सेवा करने और यह दिखाने का अवसर है कि हम हर क्षेत्र में प्रधान सेवक के रूप में यहाँ हैं। मैं अपना पूरा जीवन दक्षिण मुंबई में बिता रही हूँ और मुझे एहसास है कि यहाँ के नागरिकों को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, चाहे वह क्लस्टर विकास हो, स्थानीय स्वच्छता हो या खुली जगहें हों।

झारखंड में घुसपैठ के मुद्दे पर भड़के हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने घुसपैठ के मुद्दे पर झारखंड सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इससे राज्य मिनी बांग्लादेश में बदल सकता है। उन्होंने आगे दावा किया कि घुसपैठिए झारखंड की संस्कृति और आदिवासी अस्मिता को बाधित कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह प्रवृत्ति जारी रही तो आदिवासी राज्य में एक मजबूत जनसांख्यिकीय बदलाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने भाजपा के इस वादे पर भी जोर दिया कि यदि वह सत्ता में लौटेगी तो राज्य में एनआरसी लागू करेगी। हिमंत सरमा ने कहा कि घुसपैठिए झारखंड की संस्कृति और आदिवासी अस्मिता में भारी व्यवधान पैदा कर रहे हैं। अगर यह जारी रहा तो झारखंड में जनसांख्यिकीय परिवर्तन होगा और यह एक छोटा बांग्लादेश बन जाएगा। संथाल परगना भी छोटा बांग्लादेश बनने की कतार में है।

भाजपा पर हेमंत सोरेन का पलटवार

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह समाज में विभाजन को बढ़ावा दे रही है और उसे बढ़ा रही है तथा हाशिए पर पड़े समूहों का समर्थन करने में विफल रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की टिप्पणियों के जवाब में सोरेन ने भाजपा नेताओं से सीमा सुरक्षा और बांग्लादेश से कथित घुसपैठ के संबंध में अपने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और जवाबदेही पर सवाल उठाने का आह्वान किया। हेमंत सोरेन ने कहा कि ध्यान रखिए कि ये लोग (बीजेपी) हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करते हैं, भाई-भाई में झगड़े करवाते हैं, घर-घर में फूट डालते हैं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि आज मैं इन बीजेपी नेताओं से पूछना चाहता हूं कि अपने प्रधानमंत्री से पूछिए। जब वो सत्ता में नहीं थे, तो किस किताब से राज चलाते थे? उन्होंने कहा था कि संविधान से देश चलना चाहिए और हिंदू-मुस्लिम के बीच दंगे होने के बाद बांग्लादेश से घुसपैठियों के लिए कौन जिम्मेदार है?

रोजगार मेला में पीएम मोदी ने बांटे 51000 अप्वाइंटमेंट लेटर

बोले- हमने आत्मनिर्भर भारत पर किया काम

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को रोजगार मेले के तहत 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को संबोधित भी किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि मैं आप सभी को धनतेरस के पावन अवसर पर बधाई देता हूँ। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूँगा कि यह दिवाली बहुत खास होने वाली है। यह इसलिए भी खास होगी क्योंकि 500 साल के लंबे इंतजार के बाद प्रभु रामलला के भव्य अयोध्या मंदिर में विराजमान होने के बाद यह पहली दिवाली है!

नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्सव के इस माहौल में आज इस पावन दिन पर रोजगार मेले में 51,000 नौजवानों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। मैं आप सबको बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि देश के लाखों युवाओं को भारत सरकार में परमानेंट सरकारी नौकरी देने का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा और एनडीए शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी-अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का उपहार मिला है। इन दिनों हरियाणा में एक उत्सव का माहौल है।

मोदी ने कहा कि हरियाणा में हमारी सरकार की विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरी देती तो है, लेकिन बिना खर्ची-बिना पर्ची के नौकरी देती है। मैं आज हरियाणा सरकार में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं को विशेष बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि देश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, ये हमारा कमिटमेंट है। सरकार की नीतियों और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर सीधा प्रभाव होता है। आज एक्सप्रेस वे, हाइवे, रोड, रेल, पोर्ट, एयरपोर्ट, फाइबर लाइन बिछाने का काम, नए-नए उद्योगों का विस्तार, देश के कोने-कोने में हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमने हर नई तकनीक में मेक इन इंडिया को आगे बढ़ाया। हमने आत्मनिर्भर भारत पर काम किया। प्रधानमंत्री ने हरियाणा सरकार में नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं को भी बधाई दी। उन्होंने कहा, हरियाणा में हमारी सरकार की विशेष पहचान है। वहां की सरकार नौकरियां मुहैया कराती है, लेकिन वह बिना किसी खर्च और बिना पर्ची के ऐसा करती है। मैं आज उन युवाओं को विशेष रूप से बधाई देता हूं जिन्हें हरियाणा सरकार में नियुक्ति पत्र मिले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमवार को मैं वडोदरा में था। वहां मुझे डिफेंस सेक्टर के लिए एयरक्राफ्ट बनाने वाली फेक्ट्री का उद्घाटन करने का अवसर मिला। इस फैक्ट्री में हजारों लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। लेकिन नौकरी के जितने अवसर तैयार होंगे, उससे कहीं ज्यादा एयरक्राफ्ट के स्पेयर पार्ट्स बनाने के लिए बहुत सारे छोटे-छोटे कारखानों का जाल बनेगा। ये पार्ट्स देश के कोने-कोने में स्थित हमारे एमएसएमई बनाएंगे और बहुत सारे नए एमएसएमई आएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी लखपति दीदी योजना ने ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के नए साधन दिए हैं। पिछले 1 दशक में 10 करोड़ महिलाएं SHGs से जुड़ी हैं। मतलब 10 करोड़ महिलाएं स्व-रोजगार के कारण कमाने लगी हैं और सरकार ने इन्हें पूरी तरह सपोर्ट किया है।

शरद पवार का बड़ा दावा

रतन टाटा से पीएम मोदी ने गुजरात में विमान इकाई स्थापित करने को कहा

वडोदरा। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि गुजरात में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स एंड एयरबस की फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) महाराष्ट्र में स्थापित की जानी थी। मगर पीएम मोदी के कहने पर इसे वहां स्थानांतरित कर दिया गया।

शरद पवार बारामती विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, रतन टाटा चाहते थे कि यह परियोजना महाराष्ट्र में शुरू हो और उनके साथ विचार-विमर्श के बाद नागपुर एमआईडीसी इलाके में 500 एकड़ का भूखंड इसके लिए चिह्नित किया गया। यह पूरी बातचीत मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान हुआ, जिसका मैं हिस्सा था।

उन्होंने आगे कहा, हमारी सरकार बदल गई और जब मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने टाटा को बुलाया और उनसे गुजरात में कारखाना खोलने को कहा। अगर उस परियोजना को लागू किया जाता तो महाराष्ट्र में हजारों नौकरियां पैदा होतीं।

दिग्गज नेता ने दावा किया कि मोदी ने फॉक्सकॉन को गुजरात में सेमीकंडक्टर कारखाना लगाने को कहा था, जिससे महाराष्ट्र में हजारों नौकरियां चली गईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसी एक राज्य के नहीं होते बल्कि उन्हें पूरे देश के बारे में सोचना चाहिए।

सरकार या भाजपा की ओर से पवार के दावों का अब तक कोई खंडन नहीं किया गया है। बता दें, सरकार के आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, सोमवार को पीएम मोदी ने वडोदरा में कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। वडोदरा में पीएम मोदी ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड में सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान स्पेन के पीएम सांचेज भी मौजूद थे।

विपक्षी उम्मीदवारों के खिलाफ पुलिस का इस्तेमाल कर रही महायुति सरकार: संजय राउत

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर विपक्षी उम्मीदवारों के खिलाफ पुलिस तंत्र का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। संजय राउत ने राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला को भी पद से हटाए जाने की मांग की। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, महा विकास आघाडी (एमवीए) उम्मीदवारों पर हमले कर रही है, उन्हें धमकियां दे रही है और उन्हें डराने के लिए पुलिस दबाव का इस्तेमाल कर रही है क्योंकि उसे राज्य में चुनाव हार जाने का डर है।

शिवसेना यूबीटी नेता ने दावा किया कि नासिक के मालेगांव बाह्य निर्वाचन क्षेत्र में शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) नेता अद्वय हिरे पर कथित तौर पर शिवसेना मंत्री एवं उम्मीदवार दादा भूसे के %गुंडों% ने हमला किया। राउत ने कहा, %पुलिस ने अब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। यह केवल मालेगांव बाह्य तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने (सत्तारूढ़ महायुति ने) हमले करने के लिए पुलिस तंत्र का इस्तेमाल किया है।% शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि यही वजह है कि विपक्ष ने आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी रश्मि शुक्ला को राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से हटाने की मांग की है।

सीट को लेकर एमवीए सहयोगियों के अलग-अलग दावों के बीच राउत ने कहा कि मिराज और सोलापुर दक्षिण की सीट पर शिवसेना (यूबीटी) चुनाव लड़ेगी। एमवीए में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के अलावा कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने उन सीट से नामांकन दाखिल किए हैं जिनमें शिवसेना (यूबीटी) ने भी अपने उम्मीदवार उतारे हैं। राउत ने कहा कि उनकी पार्टी रायगढ़ में पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी (पीडब्ल्यूपी) को दो-तीन सीट देने के लिए भी तैयार है।

कासरगोड में मंदिर हादसे पर प्रियंका गांधी ने जताया दुख

तिरुवनंतपुरम। केरल के कासरगोड में नीलेश्वरम के पास एक मंदिर में आतिशबाजी के दौरान हुए विस्फोट से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में करीबन 150 लोग घायल हो गए जिन्हें जल्द इलाज मुहैया कराया गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन फौरन हरकत में आया। वहीं, हादसे पर कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी ने अपने संवेदना प्रकट की है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को कहा कि वह कासरगोड जिले के एक मंदिर में आतिशबाजी के दौरान हुई दुर्घटना से व्यथित हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी संवेदनाएं एवं प्रार्थनाएं इस घटना में घायल हुए लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। उन्होंने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत प्रयासों में जुटने और उनमें मदद करने का आग्रह किया। प्रियंका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''कासरगोड में आतिशबाजी के दौरान हुई दुर्घटना से मैं बहुत व्यथित हूं। इस दुर्घटना में सैकड़ों लोग घायल हुए हैं जिनमें से कई की हालत गंभीर है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं घायलों और उनके परिवारों के साथ हैं। मैं कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह करती हूं कि वे राहत कार्यों में जुट जाएं और पूरे मन से इन कार्यों में सहयोग करें। प्रभावित हुए सभी लोगों के शीघ्र और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना करती हूं।''

खेल
प्रमुख समाचार

आखिरी टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को लगा बड़ा झटका

वेलिंग्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले की शुरुआत एक नवंबर से होगी। कीवी टीम पहले ही सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। वहीं, टीम इंडिया इस मुकाबले में सम्मान बचाने उतरेगी। तीसरा टेस्ट न्यूजीलैंड के लिए महज एक औपचारिकता है जो पहले ही टीम इंडिया के खिलाफ सीरीज जीत चुकी है। ऐसे में कीवी दिग्गज केन विलियम्सन को तीसरे टेस्ट से भी आराम दिया गया है। वह शुरुआती दो टेस्ट में भी नहीं खेले थे।

विलियम्सन कमर की चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके हैं और मुंबई में होने वाले तीसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। न्यूजीलैंड की दो टेस्ट मैचों में जीत से भारत की घरेलू सरजमीं पर 2012 से चली आ रही 18 सीरीज की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, केन लगातार अच्छे संकेत दे रहे हैं, लेकिन वह हमारे साथ जुड़ने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। स्टीड ने कहा, हालांकि, चीजें आशाजनक लग रही हैं और हमें लगता है कि उनके लिए सबसे अच्छा कदम न्यूजीलैंड में रहना और अपने रिहैब के अंतिम भाग पर ध्यान केंद्रित करना है। इसलिए उनके लिए इंग्लैंड जाना अच्छा रहेगा। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। स्टीड ने कहा, इंग्लैंड सीरीज में अभी एक महीना बाकी है इसलिए सतर्क रुख अपनाने से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि वह क्राइस्टचर्च में पहले टेस्ट के लिए तैयार हैं। ब्लैक कैप्स के खिलाफ सीरीज हार ने 62.82 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बने रहने के बावजूद अगले साल विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालिफाई करने की भारत की उम्मीदों को कम कर दिया है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 364 अंक चढ़ा निफ्टी 24,466 पर बंद

नईदिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 364 अंक और चढ़ गया। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच कारोबार समाप्त होने से पहले बैंक शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 363.99 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,369.03 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 583.69 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 127.70 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,466.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों के अनुसार, घरेलू संस्थागत निवेशकों की लिवाली से बाजार में तेजी आई है। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से भारतीय स्टेट बैंक पांच प्रतिशत उछला जिससे बाजार को समर्थन मिला। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी आदि के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

जेएसडब्ल्यू ग्रुप और द. कोरिया के पॉस्को ने मिलाया हाथ

नईदिल्ली। जेएसडब्ल्यू समूह ने भारत में 50 लाख टन प्रतिवर्ष क्षमता का संयंत्र विकसित करने तथा बैटरी सामग्री व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में अवसर तलाशने के लिए दक्षिण कोरिया स्थित पॉस्को समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की मंगलवार को घोषणा की। जेएसडब्ल्यू समूह ने बयान में कहा, ''जेएसडब्ल्यू समूह ने भारत में इस्पात, बैटरी सामग्री व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की रूपरेखा तैयार करते हुए पॉस्को समूह के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।'' बयान में कहा गया, दोनों पक्ष इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से संबंधित बैटरी सामग्री तथा प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे।

व्हील्स इंडिया के हाइड्रोलिक्स कारोबार दोगुना होने का अनुमान

नईदिल्ली। ट्रक, यात्री वाहनों और निर्माण उपकरणों के लिए पहिये बनाने वाली कंपनी व्हील्स इंडिया लिमिटेड को अगले दो-तीन वर्षों में अपने हाइड्रोलिक्स कारोबार को दोगुना करने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्रीवत्स राम ने कहा कि व्हील्स इंडिया लिमिटेड का हाइड्रोलिक्स व्यवसाय से वर्तमान में कारोबार 150 करोड़ रुपये है। राम ने चेन्नई में कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा करते हुए कहा, ''हाइड्रोलिक्स व्यवसाय में निर्यात के काफी अवसर हैं। हम वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विस्तार कर रहे हैं। हम यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका में निर्माता के लिए आपूर्तिकर्ता हैंज हमें अगले दो-तीन वर्षों में हाइड्रोलिक्स व्यवसाय को 150 करोड़ रुपये से अधिक के वर्तमान स्तर से दोगुना करने का भरोसा है।'' उन्होंने कहा कि व्हील्स इंडिया इस वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए 225 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता के साथ अपनी योजना पर आगे बढ़ रहा है।

ओला इलेक्ट्रिक के स्टॉक इश्यू प्राइस से नीचे गिरे

नईदिल्ली। देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर मंगलवार को बीएसई पर, 3 प्रतिशत गिरकर 75.20 रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गए। इस तरह, ओला इलेक्ट्रिक के शेयर मंगलवार को इंट्राडे ट्रेड में भारी वॉल्यूम के बीच अपने इश्यू प्राइस 76 रुपये से नीचे आ गए। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्माता के स्टॉक ने 9 अगस्त 2024 को शेयर बाजार में डेब्यू किया था और यह 20 अगस्त 2024 को अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर 157.53 रुपये से अब तक 52 प्रतिशत गिर चुका है। विश्लेषकों के मुताबिक, हाल ही में कंपनी के उत्पादों और आफ्टर-सेल्स सर्विस को लेकर शिकायतों में आई तेजी ने ब्रांड की छवि को प्रभावित किया है, जो कंपनी की वॉल्यूम ग्रोथ पर नकारात्मक असर डाल सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है।

उच्च मुद्रास्फीति और बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

अजीत रानाडे

सरकार और अन्य स्रोतों से हाल में आये अनेक आंकड़े सामने आये हैं, जो अर्थव्यवस्था में मंदी की ओर इशारा कर रहे हैं। यह चक्रीय मंदी है या नहीं, यह तो समय ही बतायेगा। क्या यह वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी से संबंधित है? अगर यह चक्रीय यानी अस्थायी है, तो छह महीने बाद इसमें तेजी आनी चाहिए। पर त्योहार के मौसम में अर्थव्यवस्था में मंदी आना, भले ही यह चक्रीय हो, चिंताजनक है। कैलेंडर वर्ष की अंतिम तिमाही में त्योहारी उत्साह और उपभोक्ता खर्च के कारण अर्थव्यवस्था को आम तौर पर बढ़ावा मिलता है। ऐसा अभी नहीं दिख रहा है। सरकार की ओर से जो आंकड़े आये हैं, वे औद्योगिक उत्पादन, निर्यात, कर संग्रह, खासकर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े हैं। फिर भारतीय रिजर्व बैंक का डेटा और आकलन है, जिसने हाल में अपनी मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों में कटौती नहीं करने का फैसला किया। रिजर्व बैंक एक भावना सर्वेक्षण करता है और हर तिमाही में इसे जारी करता है। यह सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था के भविष्य की दिशा का संकेत देता है। निजी स्रोतों, जैसे खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआइ) और कंपनियों के तिमाही परिणाम, के आंकड़े भी हैं।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आइआइपी) अगस्त में नीचे चला गया। विकास दर लगातार तीन महीनों से नीचे जा रही थी। अगस्त का आंकड़ा (-0.1) लगभग दो वर्षों में सबसे कम है। बेमौसम बारिश से खनन गतिविधि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, लेकिन विनिर्माण मंदी पर ध्यान देना जरूरी है। वाहनों की बिक्री सितंबर में 19 प्रतिशत गिर गयी, जबकि उसी समय

त्यौहार का मौसम शुरू हुआ। इसी से संबंधित सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की तमिलनाडु फैक्टरी में दो महीने तक चली हड़ताल है। यह कारखाना भारत में सैमसंग की बिक्री में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का योगदान देता है और यह निवेश आकर्षित करने का अहम उदाहरण है। सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा लगभग 16 प्रतिशत पर ठिठका हुआ है और 'मेक इन इंडिया' जैसी मजबूत पहल के बावजूद इसमें ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है। ऐसा लगता था कि चीन से हट रहीं या दूसरी जगहों पर भी निवेश करने का प्रयास कर रहीं कई पश्चिमी कंपनियां भारत की ओर आकर्षित हो सकती हैं। पर बड़े पैमाने पर ऐसा नहीं हुआ है। सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स स्थापित करने की भारत की योजनाओं समेत ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पहल महत्वाकांक्षी हैं, पर जमीन पर वास्तविक प्रगति उत्साहजनक नहीं है।

एक और पहलू जो विनिर्माण क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, वह है कौशल की कमी। इस साल के शुरू में ताइवान के विदेश मंत्री ने भारत को आगाह किया था कि अगर वह सेमीकंडक्टर निर्माण में निवेश आकर्षित करना चाहता है, तो उसे कुशल इंजीनियरों की कमी को दूर करना चाहिए। ताइवान इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भारत की मदद करने का इच्छुक है, पर बुनियादी ढांचे और उच्च आयात शुल्क जैसी बाधाओं को दूर करना होगा। विडंबना यह है कि भारत में आवश्यक कौशल की कमी है, 25 से 30 आयु वर्ग के लगभग 30 प्रतिशत कॉलेज स्नातक बेरोजगार हैं। इसका मतलब है कि कॉलेज की शिक्षा उन्हें उद्योग या रोजगार के लिए तैयार नहीं कर रही है। यह शिक्षा पाठ्यक्रम की स्थिति और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर एक गंभीर टिप्पणी है। कमजोरी की ओर इशारा करने वाला दूसरा आंकड़ा अगस्त में वस्तु निर्यात में गिरावट है, जो 34.7 अरब डॉलर पर आ गया है। इससे व्यापार घाटा बढ़ गया है। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आयी है, जिससे घाटे और मुद्रास्फीति के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। क्रय प्रबंधक सूचकांक सितंबर में 56.5 के साथ आठ महीने के निचले स्तर पर था, जो अगस्त में 57.5 था। यह भविष्य में संभावित तेजी का सूचक है। जीएसटी संग्रहण में रुझान भी अर्थव्यवस्था में मंदी की ओर इशारा करता है।

मप्र के मुख्यमंत्री यादव करेंगे छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का शुभारंभ, अलंकरण समारोह में आएंगे उप राष्ट्रपति

रायपुर। दीवाली के चलते इस बार राज्योत्सव का मुख्य आयोजन चार से छह नवंबर तक नवा रायपुर में किया जाएगा। इसमें शुभारंभ के अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आएंगे। जबकि अंतिम दिन अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार के बताया कि राज्योत्सव कार्यक्रम नवा रायपुर के ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है। दीवाली के कारण आयोजन को आगे बढ़ाया गया है। हालांकि एक तारीख से ही उत्सव का नजारा सरकारी दफ्तरों में दिखने लगेगा। बतादें कि राज्य सरकार ने सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिया है कि, जिला मुख्यालयों पर पांच नवंबर को एक दिन कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें विकास विभागों की विभागीय प्रदर्शनी और स्थानीय कलाकारों की परफार्मेंस होंगी। एक से छह नवंबर तक जिला

मुख्यालयों के सभी सरकारी दफ्तरों में लाइटिंग की जाएगी।

जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में मंत्री, सांसदों, विधायक, जन-प्रतिनिधि को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। राज्य अलंकरण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को राज्य अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। राज्योत्सव स्थल पर कई विभागों की तरफ से योजनाओं पर केंद्रित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। राज्योत्सव में फिल्म जगत के विभिन्न कलाकार अपनी प्रस?तुति देंगे। इसमें संस्कृति संध्या के लिए बॉलीवुड सिंगर शान, नीति मोहन, इंडियन आइडल विजेता पवनदीप और अरुनिदिता आकर्षण का केंद्र होंगे। सांस्कृतिक संध्या में चार नवंबर को बॉलीवुड सिंगर शांतनु मुखर्जी (शान) का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। पांच नवंबर को बॉलीवुड सिंगर नीति मोहन का कार्यक्रम होगा। छह नवंबर की शाम को इंडियन आइडल विजेता पवनदीप और अरुनिदिता का कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार का पहला राज्योत्सव चार से छह नवंबर तक नवा रायपुर में मनेगा। चार से छह नवंबर तक आयोजित इस उत्सव को देखने के लिए आम लोगों को रियायत दर पर बस की सुविधा मिलेगी। राज्योत्सव के दौरान आयोजन स्थल पर प्रत्येक दिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि प्रदेशवासी राज्योत्सव के अवसर पर अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव के साथ राज्योत्सव मनाएं। सीएम ने एक नवंबर को अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव के साथ राज्योत्सव उत्सव मनाने की अपील की है। राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर, अटलनगर में 10 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने सभी शहरों और गांव में नागरिकों से भी एक नवंबर की शाम को अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित करने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ी युवा विप्र संगठन ने गृहमंत्री से की मुलाकात,कड़ी कार्रवाई की मांग

रायपुर। तहसील कार्यालय में पदस्थ प्रदीप उपाध्याय की आत्महत्या और उनके लिखे सुसाईड नोट के आधार पर प्रताड़ित करने वाले अफसरों पर कार्रवाई की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ी युवा विप्र संगठन ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात की संगठन ने दोषियों पर ठोस कार्रवाई करने हेतु ज्ञापन सौंपा एवं त्वरित जांच कमिटी का गठन करने की मांग की। सुसाइडल नोट्स में लिखी बातें जिसमें प्रताडना के साथ जातिसूचक बातें कहा जाना घोर निंदनीय है। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष सहित समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। दोषियों पर कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन करने की बात कही।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

दीपावली पर्व पर डॉ. रमन सिंह ने प्रदेशवासियों को बधाई दी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व पर अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है । अपने शुभकामना संदेश में विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि- धनतेरस से लेकर भाई दूज तक चलने वाला ये पांच दिन का पावन पर्व हमारी सभ्यता और संस्कृति की गौरव-गाथा है । दीपावली का पर्व भारतीय संस्कृति का गौरव है, यह प्रकाश का पर्व है और तमस (अंधकार) को दूर करता है, इसलिए यह पर्व ज्ञान का प्रकाश पंहुचाने के संकल्प का पर्व भी कहलाता है । डॉ. रमन ने गोवर्धन पूजा को छत्तीसगढ़ का लोक पर्व बताते हुए प्रदेश के कृषक बंधुओं को इस अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि-पशुधन हमारी कृषि का आधार है, इसलिए इसके संरक्षण और संवर्धन की दिशा में और अधिक प्रयास करने होंगे। डॉ. रमन ने कहा कि-दीपावली मनाने की सार्थकता तभी है, जब भीतर का अंधकार दूर हो । डॉ. रमन ने ईश्वर से कामना करते हुए कहा कि-छत्तीसगढ़ राज्य के प्रत्येक नागरिक को सुख, सम्पन्नता और समृद्धि का अपूर्व भण्डार प्राप्त हो तथा दीपावली पर्व समस्त नागरिकों के जीवन में नया सबेरा लेकर आये।

किसानों से 50 हजार जुर्माना लेने का तुगलकी फरमान वापस ले

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा की भाजपा सरकार ने रवि सीजन में धान बोने वाले किसानों से 50 हजार जुर्माना लेने का तुगलकी फरमान जारी करके बता दिया कि भाजपा किसान विरोधी है। भाजपा नहीं चाहती कि किसान अच्छी पैदावार करें फसल लगाकर आर्थिक रूप से सक्षम बने और उनके परिवार खुशहाल हो। भाजपा की नीतियां हमेशा किसानों के खिलाफ रही है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है राज्य सरकार तत्काल रवि सीजन में धान नही लगाने के प्रतिबंध को वापस ले और रवि फसल लगाने वाले किसानों को फसल लगाने पर्याप्त मात्रा में बिजली, उर्वरक, उन्नत बीज एवं अन्य सुविधा उपलब्ध कराये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने खुद को किसान हितैषी होने का दावा किया था और किसानों की खुशहाली के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करने का वादा किया था हर साल खरीफ सीजन में 1 नवंबर से धान की खरीदी होती रही है इस वर्ष 15 नवंबर से धान खरीदी वो भी मात्र 40 दिन ही धान खरीदी होगी, इससे स्पष्ट है भाजपा सरकार प्रदेश के सभी किसानों से 21 क्विंटल धान खरीदी से पीछे हट रही है किसानों को वादानुसार धान की कीमत 3100 रु प्रति क्विंटल के अलावा समर्थन मूल्य में 117 रु की बढ़ोतरी अलग से दे। रवि फसल लगाने वालों किसानों को मदद करे।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अधिकारियों का ट्रांसफर

रायपुर। राज्य प्रशासनिक सेवा के छह अधिकारियों का ट्रांसफर हुआ है। दो दिन के भीतर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का ये दूसरा ट्रांसफर है। कल भी सरकार ने एक लिस्ट जारी की थी। बहरहाल, शिव कुमार बनर्जी अपर कलेक्टर बिलासपुर से उप सचिव मंत्रालय, राम प्रसाद चौहान मुख्य कार्यपालन अधिकारी बिलासपुर से उप सचिव मंत्रालय, उमेश कुमार पटेल अवर सचिव राजस्व और आपदा से वाणिज्य और उद्योग विभाग मंत्रालय, श्रीकांत वर्मा संयुक्त कलेक्टर कोरबा से अतिरिक्त संचालक पंचायत संचालनालय, दुष्यंत कुमार संयुक्त कलेक्टर सक्ती से अतिरिकत मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य शहरी विकास अभिकरण, अनुपम आशीष टोप्पो डिप्टी कलेक्टर से अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी चिप्स तबादला किया गया है।

राज्य प्रशानिक सेवा के 22 अधिकारियों का ट्रांसफर

राज्य शासन ने राज्य प्रशानिक सेवा के 22 अधिकारियों की ट्रांसफर सूची जारी की है। सूची में युक्त, उप सचिव, अपर कलेक्टर, सीएमओ, संयुक्त कलेक्टर के नाम शामिल है। सूची के मुताबिक, अशुतोश पाण्डेय को विशेष सहायक मंत्री लोग स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, 20 सूत्रीय कार्यान्वयन से आयुक्त् नगर पालिक निगम कोरबा बनाया गया हैं।

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में महिला पार्षदों को कमान

रायपुर। दक्षिण के उपचुनाव में भाजपा की महतारी वंदन योजना एक महत्वपूर्ण फैक्टर के रूप में उभरकर सामने आ रही है। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये देने का वादा किया था, जिसके चलते पार्टी ने प्रचंड बहुमत से सरकार बनाई थी। लोकसभा चुनाव में भी इस योजना का सीधा प्रभाव देखा गया था, और अब फिर से दक्षिण के उपचुनाव में इसके असर की उम्मीद जताई जा रही है। इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 19 वार्ड हैं, जिनमें आठ महिला पार्षद हैं। इनमें से पांच पार्षद भाजपा की हैं, जबकि तीन पार्षद कांग्रेस के पास हैं। ऐसे में भाजपा का महतारी वंदन योजना का फार्मूला आधी आबादी को साधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जिससे पार्टी को उपचुनाव में लाभ हो सकता है। दूसरी ओर निकाय चुनाव का भी उपचुनाव पर सीधा असर पड़ने की संभावना है। रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सभी वार्डों में भाजपा के पार्षदों की संख्या कांग्रेस की तुलना में कम है। वर्तमान में कांग्रेस के पास 11 पार्षद हैं, जबकि भाजपा के पास केवल आठ पार्षद हैं। यह स्थिति कांग्रेस को वार्डवार बढ़त बनाने का मौका दे सकती है। दोनों ही पार्टियों ने अपने-अपने पार्षदों को क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी है, साथ ही विधायकों और संगठन के लोगों को भी उनकी गतिविधियों की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज मिले दंतेवाड़ा नेत्र कांड के पीड़ितों से

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज दंतेवाड़ा नेत्र कांड के पीड़ितों से मिलने मेकाहारा गये वहां पर उन्होंने मरीजों के ईलाज और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। चिकित्सको ने बताया कि दंतेवाड़ा जिला चिकित्सालय में कुल 50 मरीजों का आपरेशन हुआ था। जिसमें ज्यादातर मरीजों के आंख में इन्फेक्शन हुआ, जिसमें से 16 मरीजों को इन्फेक्शन के ईलाज के लिये मेकाहारा लाया गया। इनमें से 12 मरीजो का फिर से ऑपरेशन हो गया है। 4 मरीजों का ऑपरेशन नहीं हुआ। इंफेक्शन के चलते रायपुर लाये सभी मरीजों की आंख की रोशनी चली गई। जिसकी वापस आने की संभावना नहीं है। लेकिन अधिकांश के आंखों की रोशनी चली गयी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण आदिवासी मरीजों की आंखों की रोशनी गयी। बिना सुविधा और समुचित दवा के मरीजों के आपरेशन का डाक्टरों का टारगेट दिया गया। जिसके कारण यह परेशानी पैदा हुई है। कांग्रेस का जांच दल भी दंतेवाड़ा जाने वाला है। जहां पर भी हम गड़बड़ी की जांच करेंगे। हम सरकार से मांग करते है कि जिन मरीजों की आंखो की रोशनी गयी है, उनका ईलाज प्रदेश के बाहर के बड़े अस्पतालो में कराया जाये तथा जीवन यापन के लिये 10 लाख रू. का मुआवजा दिया जाये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के साथ कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, शहर कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश दुबे उपस्थित थे।

नागपुर में कांग्रेस प्रत्याशियों की संयुक्त नामांकन रैली में शामिल हुए भूपेश, कहा

महाराष्ट्र की वीरभूमि में ग़द्दारों का कोई स्थान नहीं

नागपुर/रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विदर्भ क्षेत्र के सीनियर ऑब्जर्वर भूपेश बघेल ने आज नागपुर के संविधान चौक में नागपुर पश्चिम, नागपुर उत्तर, मध्य नागपुर एवं दक्षिण पश्चिम नागपुर विधानसभाओं के कांग्रेस प्रत्याशियों की संयुक्त नामांकन रैली में सम्मिलित हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के प्रत्याशियों के अलावा इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस दौरान भूपेश बघेल ने उपस्थित कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि यह चुनाव

महाराष्ट्र की अस्मिता का चुनाव है, महाविकास आघाड़ी के हर एक साथी को यह लड़ाई पूरी ताकत से लड़नी है और यह साबित करना है कि महाराष्ट्र की इस वीरभूमि में गद्दारों का कोई स्थान नहीं है। जिस प्रकार भाजपा ने छल से शिवसेना और NCP को तोड़ा है और लोकतंत्र का चीरहरण किया है, इसका जवाब आपको अपने वोटों से देना है और भाजपा की छल-बल की राजनीति को हराना है। आगे श्री बघेल ने कहा भाजपा समाज में विभेद पैदा करने का काम करती आई है, समाज के एक वर्ग से दूसरे वर्ग को लड़ाने में भाजपा पारंगत है, वो हमेशा तोड़ने की बात कहती है लेकिन हम सभी जोड़ने के लिए निकले हैं और इस लड़ाई में आप सभी कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, ना केवल भारी संख्या में मतदान करवाना है बल्कि मतदान के बाद कोई गड़बड़ी ना हो इसके लिए भी सतर्क रहना है।

धनतेरस पर रायपुर के बाजार में बरसा धन

रायपुर। धनतेरस पर मंगलवार को बाजार में खूब धन बरसा। इस मौके पर लोगों ने जमकर खरीदारी की। खासकर सोने, चांदी के समान की बिक्री ज्यादा हुई। शुभ दिन के अवसर पर शुभ खरीदी करने लोगों की भीड़ बाजार में दोपहर से लगनी शुरू हो गई। हर वर्ग के व्यापारी खुश दिखे। लोगों ने जमकर खरीदारी की। शाम को भीड़ से बचने लोग, दोपहर से ही बाजार में खरीदारी के लिए पहुंच रहे थे।

आम दिनों में दोपहर के वक्त शांत रहने वाले सदर बाजार में खासी चहल पहल देखी गई। सोने, चांदी और बर्तन की दुकानों में अच्छी खासी भीड़ देखी गई। वहीं, गोलबाजार, आमापारा और पंडरी में कपड़े, फर्नीचर की दुकानों में लोगों की लाईन रही। इसके आलावा दोपहिया व चारपहिया वाहन, घरों में सजावट के समान सहित टेक्सटाइल्स दुकानों में भी लोगों की भीड़ रही। धनतेरस के लिए व्यापारियों ने भी खासी तैयारियां की थी। खरीददारी के चलते बाजार जाने वाले मार्गों की सड़कों पर बार-बार जाम की स्थिति रही। मुख्य मार्गों पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। जाम के चलते ग्राहकों को गाड़ियां खड़ी करने में सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

एनआईटी रायपुर में ट्रेडिशनल डे का किया गया आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर ने 28 अक्टूबर 2024 को ट्रेडिशनल डे का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई तरह के प्रदर्शन और गतिविधियां शामिल थीं, जिन्होंने भारत की विविध संस्कृति और परंपराओं की सुंदरता को दर्शाया। यह कार्यक्रम संस्थान के कल्चरल कमिटी संस्कृति के,फैकल्टी इन चार्ज डॉ. लता एस बी उपाध्याय , डॉ एस प्रमाणिक और डॉ नेहा गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगोली कला और मेहंदी कला से हुई, जिसमें छात्रों ने सुंदर डिज़ाइन बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. (श्रीमती) ए बी सोनी निदेशक (प्रभारी) और डॉ. नितिन कुमार जैन, डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) के साथ फैकल्टी मेंबर्स और विद्यार्थी मौजूद रहे। सबसे पहले गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया इसके बाद सभी अतिथियों द्वारा आकाशदीप जला कर आसमान में छोड़ा गया 7 इसके बाद सिंगिंग क्लब - रागा के जोशीले प्रदर्शन ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद डांस क्लब - नृत्यम ने मनमोहक क्लासिकल नृत्य से माहौल को रंगीन बना दिया। इसके बाद 'ट्रेडिशनल वॉक' का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने अपनी ट्रेडिशनल पोशाक में बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ, जिसने सभी का ध्यान भारत की सांस्कृतिक जड़ों की ओर खींचा और विविधता में एकता को दर्शाया।

दीप पर्व पर सभी प्रदेशवासियों को
बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं...

- मां महालक्ष्मी की कृपा से हमारा छत्तीसगढ़ प्रदेश धन- धान्य और सुख-संपदा से परिपूर्ण रहे।
- गांवों से लेकर शहरों तक हर क्षेत्र में विकास और समृद्धि की रोशनी हो।
- माताओं- बहनों की हथेली हमेशा धन-धान्य से परिपूर्ण रहे।
- खेतों में समृद्धि की फसल लहराए और किसानों के भंडार हमेशा अन्न से भरे रहें।
- बच्चे- युवा सुनहरे भविष्य की ओर अग्रसर हों और उनके सपने साकार हों।
- सभी के जीवन में सुख- संपन्नता आए और तरक्की का प्रकाश हो।
- समृद्धि की मुस्कान सभी के चेहरों पर खिले, आपसी प्रेम और भाईचारा हो।

इन शुभकामनाओं के साथ एक विनम्र अपील भी है कि दीपावली के मौके पर स्थानीय कुम्हारों के हाथों से बने मिट्टी के दीपों से अपने घर सजाएं और त्यौहारों में स्थानीय उत्पादकों से खरीदी कर उनकी भी दीपावली को खुशियों से रोशन कर दें...

पुनः शुभकामनाओं सहित
विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संचार- 41970/132

ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.